दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 245
मुरादाबाद
(Saturday)
27 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम बोले- वीर साहिबजादों ने मजहबी कट्टरता-आतंक का वजूद हिलाया;जेन जी ही देश को आगे ले जाएंगे

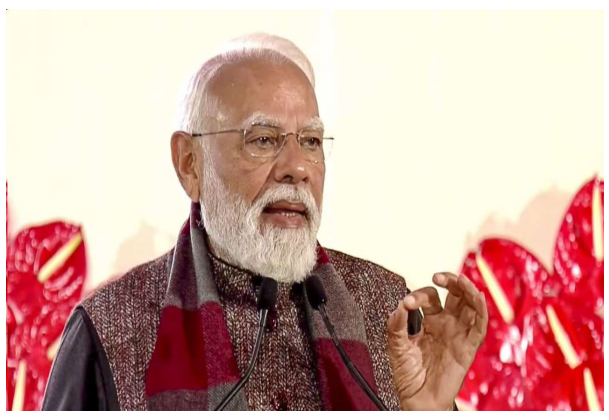

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीर बाल दिवस के मौके पर बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम का आयोजन भारत मंडपम में किया गया है। बता दें कि सरकार ने साल 2022 में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने का एलान किया था। इसके बाद हर वर्ष इस दिन कई खास कार्यक्रमों का आयोजन होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर बाल दिवस के मौके पर नई दिल्ली में स्थित भारत मंडपम में बच्चों को संबोधित किया। भारत मंडपम में हुए आयोजन से पहले प्रधानमंत्री ने इस वर्ष वीरता पुरस्कार से सम्मानित बच्चों के साथ संवाद भी किया। बच्चों के साथ मुलाकात करने की वीडियो भी सामने आया है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, %आज देश वीर बाल दिवस मना रहा है। अभी वंदे मातरम की सुंदर प्रस्तुति हुई। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद कर रहे हैं, जो भारत का गौरव हैं। उन्होंने कहा, वीर साहिबजादे भारत के अदम्य साहस, शौर्य, वीरता की पराकाष्ठा हैं। वीर साहिबजादों ने उम्र और अवस्था की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के सामने चट्टान की तरह खड़े हो गए। इससे मजहबी कट्टरता और आतंक का वजूद ही हिल गया। वीर साहिबजादों को छोटी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा ¯पीएम मोदी

उन्होंने कहा, वीर साहिबजादों को छोटी सी उम्र में उस समय की सबसे बड़ी सत्ता से टकराना पड़ा। वो लड़ाई भारत के मूल विचारों और मजहबी कट्टरता के बीच थी। वो लड़ाई सत्य बनाम असत्य के बीच थी। उस लड़ाई की एक ओर गुरु गोविंद सिंह जी थे, दूसरी ओर क्रूर औरंगजेब की हुकूमत थी।%उन्होंने कहा कि हमारे साहिबजादे उस समय छोटे ही थे, लेकिन औरंगजेब की क्रूरता को इससे फर्क नहीं पड़ा। वो जानता था कि उसे अगर भारत के लोगों को डराकर उनका धर्मांतरण कराना है तो इसके लिए उसे हिंदुस्तानियों का मनोबल तोड़ना होगा। इसलिए उसने साहिबजादों को निशाना बनाया।

पीएम मोदी ने कहा कि भले ही पूरी मुगलिया बादशाहत उनके पीछे लग गई, लेकिन चारों साहिबजादों में से एक को भी डिगा नहीं पाई। साहिबजादा अजीत सिंह जी के शब्द आज भी उनके हौसले की कहानी कहते हैं। अजीत सिंह जी ने कहा था कि नाम का अजीत हूं, जीता न जाऊंगा, जीता भी गया तो जीता न आऊंगा।गुलामी की मानसिकता से देश को आजाद नहीं होने दिया गया ¯पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही हमने गुरु तेगबहादुर को उनके 350वें बलिदान दिवस पर याद किया था। जिन साहिबजादों के पास गुरु तेगबहादुर जी के बलिदान की प्रेरणा हो, वो मुगल अत्याचारों से डर जाएंगे, ये सोचना ही गलत था। साहिबजादों के बलिदान की गाथा देश में जन-जन की जुबान पर होनी चाहिए थी। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी देश में गुलामी की मानसिकता हावी रही। इस गुलामी का बीज अंग्रेज राजनेता मैकाले ने 1835 में बोया था। उस मानसिकता से देश को आजादी के बाद भी मुक्त होने नहीं दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि आजादी के बाद भी देश में ऐसी सच्चाईयों को दबाने की कोशिश की गई। अब भारत ने तय किया है कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति पानी ही होगी। अब हम भारतियों के बलिदान और शौर्य की स्मृतियां दबेंगी नहीं। अब देश के नायक-नायिकाओं को हाशिये पर नहीं रखा जाएगा, और इसलिए वीर बाल दिवस को हम पूरे मनोभाव से मना रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से मुक्त होते हमारे देश में, भाषाई विविधता हमारी ताकत बन रही है।पीएम मोदी ने कहा, %जिस राष्ट्र के पास ऐसा गौरवशाली अतीत हो, जिसकी युवा पीढ़ी को ऐसी प्रेरणाएं विरासत में मिली हों, वो राष्ट्र क्या कुछ नहीं कर सकता है। जब भी 26 दिसंबर का दिन आता है, मुझे ये तसल्ली होती है कि हमारी केंद्र सरकार ने साहिबजादों की वीरता से प्रेरित होकर वीर बाल दिवस मनाना शुरू किया।% जेन-जी और जेन अल्फा ही विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएंगे ¯पीएम मोदी- पीएम मोदी ने जेन-ं और जेन-अल्फा को संबोधित करते हुए कहा, आपकी जेनरेशन ही भारत को विकसित भारत के लक्ष्य तक ले जाएगी। मैं जेन-ं की योग्यता, आपका आत्मविश्वास देखता हूं, समझता हूं और इसलिए आप पर बहुत भरोसा करता हूं। उन्होंने कहा, पहले युवा सपने देखने से भी डरते थे, क्योंकि पुरानी व्यवस्थाओं में ये माहौल बन गया था कि कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता। चारों ओर निराशा का वातावरण था। लेकिन आज देश प्रतिभा को खोजता है, उन्हें मंच देता है।%उन्होंने कहा, %डिजिटल इंडिया की सफलता के कारण आपके पास इंटरनेट की ताकत है, आपके पास सीखने का संसाधन है। जो साइंस, टेक या स्टार्टअप्स में आगे जाना चाहते हैं तो उनके लिए स्टार्टअप इंडिया मिशन है। ऐसे तमाम मंच आपको आगे बढ़ाने के लिए हैं। आपको बस फोकस रहना है और इसके लिए जरूरी है कि आप शॉर्ट टर्म पॉपुलैरिटी की चमक-धमक में न फंसे। आपको अपनी सफलता को केवल अपने तक सीमित नहीं मानना है। आपका लक्ष्य होना चाहिए, आपकी सफलता देश की सफलता बननी चाहिए। साहसी और प्रतिभावान बच्चों को मिला मंच ¯पीएम मोदी- उन्होंने कहा कि बीते चार वर्षों में वीर बाल दिवस की नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभावान बच्चों के निर्माण के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आए 20 बच्चों को ये पुरस्कार दिए गए हैं। उन्होंने पुरस्कार जीतने वाले बच्चों से कहा कि आपका ये सम्मान आपके लिए तो है ही, ये आपके माता-पिता का, आपका टीचर और मेंटर्स का भी सम्मान है। पीएम मोदी ने एक-एक बच्चे के साथ वक्त गुजारा और उनके शौर्य और पराक्रम की सराहना की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सत्यनिष्ठा के प्रतीक गुरु गोविंद सिंह आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि हर वर्ष प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कारों के लिए आवेदन की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जब हम इन बच्चों की उपलब्धियां देखते हैं तो मन गर्व से भर उठता है। भविष्य के प्रति हमारा विश्वास और मजबूत होता है। उन्होंने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल वीर पुरस्कार से सम्मानित बच्चों से कहा कि यह पुरस्कार आपके सपनों, संघर्षों और उपलब्धियों की पहचान है। जो लाखों बच्चों को प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

मथुरा-वृंदावन में होटल और गेस्ट हाउस फुल, उमड़ने लगी भीड़; बाहरी वाहनों के प्रवेश पर रोक

मथुरा में नववर्ष को लेकर पुलिस-प्रशासन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। यातायात से लेकर भीड़ प्रबंधन तक, हर इंतजाम पुख्ता होंगे। नए साल से पहले पांच लाख श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई है। नए साल पर ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर में भीड़ उमड़ती है। इसके लिए जहां एक ओर पुलिस प्रशासन सुरक्षा के इंतजाम करता है तो वहीं श्रद्धालु भी एक दिन पहले ही डेरा डाल लेते हैं। इसके लिए श्रद्धालु होटलों की पहले से बुकिंग करा लेते हैं। वृंदावन के कई प्रमुख होटल और गेस्ट हाउस में नए साल पर कमरे उपलब्ध नहीं हैं। लोगों ने पहले से ही एडवांस बुकिंग करा ली हैं। वहीं श्रद्धालुओं को छोटे गेस्ट हाउस और होम स्टे से ही उम्मीद है।नए साल पर ठाकुर श्री बांकेबिहारी के दर्शन के लिए वृंदावन में लाखों श्रद्धालु हर साल उमड़ते हैं। लेकिन सेवायतों को वर्तमान भीड़ देखकर लगता है कि इस बार पांच लाख से अधिक लोग नए साल पर दर्शन के लिए आ सकते हैं। दिल्ली, पंजाब, राजस्थान और हरियाणा के लोगों ने सर्वाधिक बुकिंग कराई है। ठाकुर श्री बांकेबिहारी मंदिर के साथ साथ इस्कॉन मंदिर, श्रीराधाबल्लभ मंदिर और श्री राधारमण मंदिर भी लोगों की भीड़ उमड़ती है। वहीं संत प्रेमानंद के दर्शन के लिए श्रद्धालु बेताब हो रहे हैं। नए साल पर श्रद्धालु उनके भी दर्शन की आस लगाए हुए हैं। इसलिए लोगों ने होटलों और गेस्ट हाउस बुक कर लिए हैं।

पीएम मोदी ने सुनी देशभर के सिखों की आवाज..., सीएम योगी बोले- 26 दिसंबर को घोषित किया वीर बाल दिवस

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने देशभर के सिखों की आवाज सुनी। उनका सम्मान करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया।

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को वीर बाल दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर के सिखों की आवाज सुनी। उनके समर्पण का सम्मान करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस घोषित किया। इसे पूरे देश में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में मनाया जा रहा है।

राज्यपाल ने गणपति सच्चिदानंद आश्रम का किया उद्घाटन, बोलीं- भगवान दत्तात्रेय के जीवन से लें प्रेरणा

रामनगरी में राज्यपाल ने गणपति सच्चिदानंद आश्रम की शाखा का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने सभी लोगों से भगवान दत्तात्रेय के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।राज्यपाल आनंदी बेन पटेल शुक्रवार को अयोध्या पहुंची। यहां वह श्रीराम मंत्रार्थ मंडपम में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। गणपति सच्चिदानंद आश्रम की स्थानीय शाखा का उद्घाटन किया। उन्होंने स्वामी गणपति सच्चिदानंद से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग सुनाया। लोगों से भगवान दत्तात्रेय के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हमारी वैदिक परंपराएं वसुधैव कुटुंबकम का सन्देश देती हैं। संसार की सबसे बड़ी सेवा मानव सेवा है। सबसे बड़ी साधना प्रकृति का संरक्षण है। इस दौरान महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी सहित मैसूर व अन्य इलाकों से आए हजारों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

पूर्व पीएम को राहुल गांधी समेत कृतज्ञ राष्ट्र ने दी श्रद्धांजलि

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आज पहली पुण्यतिथि है। इस मौके पर राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। जानें किसने क्या कहा? पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की आज पहली पुण्यतिथि है। इस मौके पर राहुल गांधी समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी विनम्रता, ईमानदारी और विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।पूर्व प्रधानमंत्री ने आर्थिक पथ को नया रूप दिया - खरगे- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री को एक परिवर्तनकारी नेता बताया। खरगे ने कहा कि उन्होंने देश के आर्थिक पथ को नया रूप दिया और आर्थिक सुधारों के माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का विस्तार किया। इसके साथ ही लाखों लोगों को गरीबी से बाहर निकाला। उन्होंने कहा, अपनी विनम्रता, ईमानदारी और बुद्धिमत्ता के लिए जाने जाने वाले, उन्होंने गरिमा और करुणा के साथ नेतृत्व किया, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रगति समावेशी बनी रहे और कल्याणकारी लाभ सबसे जरूरतमंद लोगों तक पहुंचें। अधिकार-आधारित प्रतिमान इसी दृष्टिकोण का प्रमाण है। हमने उनके दृष्टिकोण के तहत एक मजबूत भारत का निर्माण किया। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा, हम एक ऐसे राजनेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिनकी ईमानदार सार्वजनिक सेवा और स्थायी सुधारों की विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया - राहुल गांधी राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अपने दूरदर्शी नेतृत्व से उन्होंने भारत को आर्थिक रूप से सशक्त किया। देश के वंचितों और गरीबों के लिए उनके ऐतिहासिक प्रयासों और साहसिक निर्णयों ने भारत को विश्व मंच पर एक नई पहचान दिलाई। उनकी विनम्रता, कर्मठता और ईमानदारी हम सभी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगी। वहीं, प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, मनमोहन सिंह जी समानता के प्रबल समर्थक, एक सशक्त, साहसी और गरिमामय व्यक्तित्व थे, जो राष्ट्र की प्रगति के लिए पूरी तरह समर्पित थे। उनकी सादगी, ईमानदारी और देश के प्रति समर्पण हम सभी को हमेशा प्रेरित करता रहेगा। इसके साथ ही असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। सरमा ने कहा कि राष्ट्र कांग्रेस नेता के योगदान को याद रखेगा, जो एक अर्थशास्त्री के रूप में प्रसिद्ध थे। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी की पहली पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर रहा हूं। ममुख्यमंत्री ने आगे कहा, राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। पिछले साल 92 वर्ष की आयु में निधन हुए सिंह, 1991 से असम से राज्यसभा के लिए पांच बार चुने गए थे, जिसमें प्रधानमंत्री के रूप में उनका दस साल का कार्यकाल भी शामिल है।

भारतीय विज्ञान सम्मेलन में बोले संघ प्रमुख मोहन भागवत- विज्ञान और धर्म में कोई टकराव नहीं

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए। इसके बाद वे राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित चार दिवसीय भारतीय विज्ञान सम्मेलन-2025 में पहुंचे, वहां उन्होंने कहा कि विज्ञान और धर्म में कोई टकराव नहीं है, दोनों अलग-अलग मार्गों से सत्य की खोज करते हैं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत इन दिनों आंध्र प्रदेश के तिरुपति में हैं। शुक्रवार को उन्होंने विश्व प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की पूजा-अर्चना की। वहीं मंदिर पहुंचने पर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।अधिकारी ने दी जानकारी- दर्शन के बाद, मंदिर के पुजारियों ने रंगनायका मंडपम में मोहन भागवत को रेशमी वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया और भगवान का प्रसाद प्रदान दिया। इसको लेकर तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के एक अधिकारी ने कहा, भागवत ने भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और दर्शन के लिए ले जाने से पहले टीटीडी अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बता दें कि टीटीडी तिरुपति में श्री वेंकटेश्वर मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है, जो दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर में से एक है। भारतीय विज्ञान सम्मेलन में हुए शामिल- इसके बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत वहां से रवाना हुए। वे शुक्रवार से तिरुपति में राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले चार दिवसीय भारतीय विज्ञान सम्मेलन में शामिल होने के लिए पहुंचे। यह कार्यक्रम 29 दिसंबर को समाप्त होगा। कार्यक्रम में क्या बोले आरएसएस प्रमुख- कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को विज्ञान और धर्म के अंतर्संबंधों पर अपने विचार साझा किए। भारतीय विज्ञान सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान और धर्म के बीच कोई टकराव नहीं है, क्योंकि दोनों ही अलग-अलग रास्तों से एक ही सच्चाई की तलाश करते हैं। उन्होंने कहा धर्म को अक्सर गलत समझा जाता है, जबकि यह असल में सृष्टि के कामकाज को नियंत्रित करने वाला विज्ञान% है। उन्होंने कहा % धर्म कोई संप्रदाय नहीं है। यह वह कानून है जिससे सृष्टि चलती है। चाहे कोई इसे माने या न माने, कोई भी इसके दायरे से बाहर रहकर कार्य नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी कहा धर्म में असंतुलन पैदा होना विनाश की ओर ले जाता है। विज्ञान और धर्म के बीच कोई टकराव नहीं- उन्होंने कहा कि विज्ञान ने ऐतिहासिक रूप से धर्म से दूरी बनाए रखी, क्योंकि यह माना जाता था

संपादकीय Editorial

Yunus's role itself is questionable.

India provided Bangladesh with two packages of ?120 crore each in 2024 and 2025. The 'Line of Credit' provided 25% of the loan at very affordable interest rates. India supplies 60% of Bangladesh's onions, 78% of its spices, 65% of its rice, 19% of its chemical products, and approximately 20% of its electricity. Dhaka's textile industry depends on India's generosity. India has the highest demand for medical visas in Bangladesh. People there experience India's superior medical facilities. If India were to stop these supplies given the current situation, could Bangladesh survive? Wouldn't a food crisis arise in Bangladesh and it plunge into darkness? India has also been sharing river water and other resources with Bangladesh. The surrender of 93,000 Pakistani soldiers in the December 1971 war is a half-truth. India also sacrificed 3,864 of its brave soldiers and officers in the war for Bangladesh's liberation and independence. Nearly 1 million sisters, daughters, and mothers were raped during that period. No definitive figures are available on the number of killings. An ugly truth has come to light about Bangladesh's Chief Advisor (indirectly Prime Minister), Muhammad Yunus, who donated $300,000 (approximately ?2.5 crore) to the Hillary Clinton Foundation in 2016. Yunus was awarded the Nobel Peace Prize thanks to the United States' support. His "Grameen Bank for the Poor" was widely discussed worldwide, but later the truth was revealed: to whom was the money looted from the poor, fishermen, and farmers being donated? Yunus even faced jail time. He also faced the displeasure of then-President Trump. Trump is still the US President, so the alleged corrupt collusion, collusion, and dealings between Hillary and Yunus are being investigated. Yunus was installed in Bangladesh during the tenure of US President Joe Biden. Biden, too, was a president of Clinton's Democratic Party. However, the Clinton family is now irrelevant in American politics and administration, so no one in the US is currently supporting Yunus. The interim government led by Yunus has been in place since August 8, 2024, despite the Bangladesh Constitution's lack of such a provision. Why has no intellectual or nationalist citizen in Bangladesh challenged this arrangement in court? The Constitution only provides that the caretaker government must hold elections within three months so that a mandated, democratic government can take over the country. Today, Bangladesh is experiencing a period of anarchy, violence, communalism, and murders, and Yunus is the "villain" for inciting radical groups. Convicted terrorists have been released from jail. Yunus doesn't even want to control the anti-India, anti-Hindu mobs on the streets. He is working on a plan to postpone the elections. During his tenure, Yunus has created such chaotic and murderous conditions, especially for the 13 million minority Hindus, that Hindus are condemned to live in fear and terror. Given the brutality and barbarity with which Hindus have been murdered and the continued aggressive propaganda against India, the Indian government should immediately cut off supplies to Bangladesh and issue a decisive warning to the interim government. The Modi government should intervene immediately, as both justice and humanity are burning in Bangladesh. Yunus has met with Pakistani Prime Minister Shahbaz Sharif twice in a year. He has become a pawn of Pakistan's "military dictator," Munir. Leading young leaders of those who overthrew Prime Minister Sheikh Hasina through a student movement are suddenly being assassinated. This situation is not in the best interest not only of India but of the entire democratic world. Repeated reports are coming in of violence.

Bangladeshi Hindus face a major threat, India must remain alert.

This is why musical instruments were destroyed during the recent attack on the cultural center Chhayanat. As anti-India sentiment grows in Bangladesh, so too does the crisis for Hindus. If radical elements become partners in the new government in Bangladesh, life will become even more difficult for Hindus and other minorities there. Attack on Cultural Center Chhayanat, Musical Instruments Destroyed; Growing Anti-India Sentiment Deepens Crisis for Hindus; Life for Minorities Made Difficult by Radical Elements The brutal murder of Hindu youth Dipu Chandra Das in Bangladesh's Mymensingh district is not the only incident that highlights the plight and emerging threat facing Hindus in this country. They have been under constant threat, and this threat appears to be increasing. It is not as if the overthrow of the Sheikh Hasina government in August last year only brought disaster to Hindus and other minorities there. The truth is that Hindus in Pakistan and then Bangladesh have never been able to live in peace since the partition of India. At the time of India's partition, East Pakistan, today's Bangladesh, had a disproportionately large population of Hindus, and especially Dalit Hindus, thanks to the Dalit leader Jogendra Nath Mandal. He supported Jinnah's Muslim League, believing that Dalits would be more secure and empowered in the newly formed country. He had considerable influence in East Pakistan. Mandal became Pakistan's Law Minister, but with Jinnah's death, the neglect and persecution of Hindus continued. Mandal resigned and quietly returned to Calcutta, but the Hindus who remained behind were deceived by his assurances. The persecution of Hindus continued in both parts of Pakistan. The exodus of Hindus from East Pakistan to India has never ceased. When East Pakistan was fighting for its independence, the majority of the population migrating from there was Hindu. After East Pakistan became Bangladesh, Hindus and other minorities found some solace, but their persecution did not abate in this newly formed country. Radical elements continue to target them from time to time. The Enemy Property Act also played a role in this. Under the guise of this law, it was easy to seize minority lands. This law was enacted by Pakistan, but it remained in force even after the formation of Bangladesh. Millions of acres of land belonging to Hindus and Buddhists have been seized because of this law. Anti-social elements use fake documents to declare their property as enemy property and seize it. Millions of cases related to minority lands, especially Hindu lands, are pending in the courts. Although the Sheikh Hasina government amended this law, they proved insufficient. It is believed that Hindus and other minorities felt safe under Sheikh Hasina's government, but this is only true to a certain extent. Hindus faced persecution even during her rule, though to a lesser extent than during Khaleda Zia's rule. Consequently, the exodus of Hindus from there never stopped. Wealthy Hindus continued to migrate abroad, while the poor continued to flee to India. Sheikh Hasina used to control radical groups like Jamaat-e-Islami, which persecuted minorities, and jihadist elements. After the overthrow of her government, such elements have become uncontrollable, leading to increased repression over the past 16 months. The ideology of political groups like the NCP and Inquilab Manch, a new student party formed after the coup, is close to that of Jamaat-e-Islami. The recently assassinated student leader Osman Hadi belonged to Inquilab Manch and was staunchly anti-India. The current situation in Bangladesh appears as dangerous as it was after the overthrow of Sheikh Hasina's government. Hindus were subjected to massive attacks during that period, with their homes, shops, and temples targeted. At that time, the head of the interim government, Mohammad Yunus, made assurances to protect minorities, and continues to do so now, but these assurances are proving hollow. It's true that Bangladesh isn't like Pakistan at the moment, but there's a danger of it becoming one. First, there's a referendum on constitutional amendments scheduled for February, and second, there are growing voices of those who want to make Bangladesh a fully Islamic country. Some are demanding the implementation of Sharia. In recent years, the number of jihadist elements in Bangladesh has increased, and those supporting terrorist groups like Al Qaeda and the Islamic State have grown rapidly. Instead of reining in these elements, Mohammad Yunus's government released them from jail. In doing so, they released the genie of fanaticism that Sheikh Hasina had been trying to keep under control. Consequently, even the remaining secular values ??there are under threat. Women are being forced to wear burqas, and singing and playing music are being declared haram. This is why musical instruments were destroyed during the recent attack on the cultural center Chhayanat. As anti-India sentiment grows in Bangladesh, so too is the crisis for Hindus. If radical elements become partners in the new government to be formed in Bangladesh, life will become more difficult for Hindus and other minorities there.

Waiting for Necessary Electoral Reforms, Limited to the SIR Process Is Disappointing

The Election Commission should lead electoral reforms. Strict laws to exclude criminals from elections are not impossible. Comprehensive electoral reforms are the aspiration of the entire country. Fair elections are the soul of democracy. Money power and the mafia are involved in elections. The pace of electoral reforms is slow. All the functions of parliamentary democracy are mediated by party politics. Fair elections are the soul of democracy. The success of democracy depends on party politics. An ideal electoral process forms the executive and legislature. People elect their representatives through this electoral process, but money power and the mafia are also involved in elections. Therefore, elections are not conducted in an ideal manner. Conducting fair elections is the Election Commission's constitutional duty (Article 324). The Commission is also responsible for preparing voter lists and conducting elections. A Special Intensive Revision (SIR) campaign is underway to ensure that all voters are included in the electoral rolls, but the opposition is unnecessarily accusing it of vote theft. The opposition and its leaders contested two seats in an election conducted under the Election Commission. Had there been vote fraud, the opposition would not have won such a large number of seats. The last session of Parliament did debate electoral reforms, but it did not focus on actual reforms. The focus remained on the SIR. It should be understood that the pace of electoral reforms is slow. The Model Code of Conduct was enacted in 1967. Adherence to the code is everyone's duty, but most parties violate it during election campaigns. In a democracy, the people choose their destiny, but the election process has become a game of gaining power through muscle and money. Political parties are the main players in this game.

Parties spend crores of rupees on their regular operations, but do not build organizations based on ideology and workers. As elections approach, the search for a winning candidate begins. Money power is misused. Expensive rallies, hotels, vehicles, and hundreds of chartered planes and helicopters are astonishing. Where does this money come from? Most parties use the mafia and money power in elections. They give tickets to the mafia. Most parties also bet on strongmen, not just wealthy candidates. Healthy party democracy has not developed in our country. Many parties have lifelong or hereditary national presidents. There should be legal provisions for the Election Commission to conduct organizational elections for all parties. Candidate panels should also be developed from local committees and districts. How can we expect electoral reforms from parties that fail to foster democracy, fail to disclose complete income and expenditure statements, and field mafia/money-wielding candidates for electoral victory? Now, in the event of a mafia leader's death, his wife or son becomes a candidate. The candidate selection process needs to be reconsidered. The Vohra Committee (1993) expressed serious concern about the infiltration of criminals into parliamentary institutions. It is essential to address the influence of black money and the mafia's hold on elections. Ultimately, why are electoral reforms not seriously considered? The malpractices of party politics prevent qualified and thoughtful workers from obtaining party tickets. Elections are marked by reckless expenditure. Even spending ten or twenty times the prescribed expenditure limit is insufficient. The debate over government funding of election expenses is an old one. The Dinesh Goswami Committee (1990) made similar recommendations. The Election Commission held cross-party consultations in 2006 to ensure fair elections, but no concrete initiatives were taken on electoral reforms. One suggestion was to restrict candidates and parties from incurring additional expenses and arrange elections at public expense. The Chief Election Commissioner considered this unfeasible. The governments of England, Ireland, Australia, New Zealand, and Canada provide limited election expenses. In the United States, election expenses are borne solely by the private sector. Much work remains to be done to curb the criminalization of politics. How can we expect anything from those who win elections through money, muscle, and corruption? The mafia wins. Voters are afraid. Capitalists are winnable. They buy support. Pandit Deendayal Upadhyaya wrote in his Political Diary (page 146), "Parties in India have only one consideration: a candidate who can win elections." He appealed to all parties to give tickets only to honest party workers. If the candidate is not an ideal worker, do not vote for him. The framers of the Constitution were wary of future electoral corruption and its consequences. In the Assembly (16.6.1949), Hridaynath Kunzru expressed his fear that a flawed electoral system would poison democracy. K.M. Munshi said, "The people of India should have the right to choose their representatives through a healthy system, free from doubt and bias." The proposer, Dr. B.R. Ambedkar, said, "The right to vote is the lifeblood of democracy." The Constituent Assembly debated at length on a fair electoral process. They established the Election Commission as a constitutional body, but electoral rigging began right from the first general election (1952). The framers of the Constitution proved correct. Accusations of rigging were leveled against prominent figures, including Prime Minister Indira Gandhi. In a country where even a Prime Minister was found guilty of electoral malpractice and dismissed from the House, it is natural to be disappointed with the slow pace of electoral reforms. Why is the pace of comprehensive consideration of electoral reforms so slow? When many countries around the world are committed to creating and implementing fair electoral systems, If we have been successful in implementing it, why doesn't India take credit for being the world's largest democracy and developing an ideal electoral system? The Election Commission should lead electoral reforms. Strict laws to keep criminals out of elections are not impossible. Comprehensive electoral reforms are the aspiration of the entire country.

31 दिसंबर तक करदाता लेट फीस के साथ भर सकते हैं आयकर रिटर्न

मुरादाबाद । जिले में ऐसे बहुत सारे करदाता है जिन्होंने कर निर्धारण वर्ष 2025-2026 का आयकर रिटर्न अभी तक नहीं भरा है। ऐसे करदाता 31 दिसंबर तक लेट फीस के साथ अपना आयकर रिटर्न भर सकते हैं। टैक्स व जीएसटी मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता गौरव गुप्ता ने बताया कि यदि करदाता नये टैक्स स्लैब से आयकर रिटर्न भरते है तथा करदाता की आय तीन लाख तक है तो उसे कोई लेट फीस नहीं देनी है। यदि करदाता की आय तीन लाख से अधिक तथा पांच लाख से कम है तो एक हजार की लेट फीस देनी होगी। यदि करदाता की आय पांच लाख से अधिक है तो उसे पांच हजार की लेट फीस देनी होगी। ऐसे करदाता जिनकी आय कर योग्य सीमा से अधिक है तथा उन्होंने अभी तक आयकर रिटर्न नहीं भरा है उन्हें लेट फीस तथा ब्याज भी देना होगा। आयकर रिटर्न जितनी देर से फाइल किया जाएगा, उतना ही अधिक ब्याज भी देना होगा। उसके बाद ही आयकर रिटर्न फाइल होगी। उन्होंने बताया कि ऐसे करदाता जिनका टीडीएस कट गया है मगर वह आयकर रिटर्न नहीं भर पाये हैं, ऐसे करदाता 31 दिसंबर 2025 तक आयकर रिटर्न भर कर अपना रिफंड प्राप्त कर सकते है। यदि कर निर्धारण वर्ष 2025-2026 का आयकर रिटर्न 31 दिसंबर तक नहीं भरा जाता है तो करदाता को आयकर रिफंड नहीं मिलेगा। कर निर्धारण वर्ष 2025-2026 का आयकर रिटर्न भरने से पूर्व करदाता को अपना फॉर्म 26 एएस तथा एआईएस अवश्य चेक कर लेना चाहिए तथा उसके बाद ही अपनी आयकर विवरणी फाइल करनी चाहिए।

इंस्टाग्राम पर सारिक की युवती से दोस्ती, तैयार कर दी अश्लील वीडियो, वायरल की धमकी दे की छेड़खानी

मुरादाबाद । अगवानपुर इलाके की रहने वाले युवती से सारिक ने दोस्ती की। आरोप है कि उसने युवती की इंस्टाग्राम आईडी हैक पर फोटो और वीडियो चोरी कर लिए। इसके बाद एडिट कर उन्हें अश्लील बना दिया। अब वह वायरल करने की धमकी दे रहा है। सिविल लाइंस क्षेत्र में रहने वाली एक युवती से युवक ने दोस्ती कर ली। आरोपी ने युवती की आईडी हैक कर ली और पीड़िता के फोटो व वीडियो चोरी कर लिए, जिन्हें एडिट कर अश्लील बना लिया। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने पीड़िता के साथ छेड़खानी की।पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पीड़ित युवती ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि वह ऑनलाइन कंपनी में नौकरी करती थी, तभी उसकी पहचान इंस्टाग्राम के जरिए कांठ के बेगमपुरा निवासी सारिक से हो गई थी। इसके बाद आरोपी से उसके प्रेम संबंध हो गए थे।आरोपी ने पीड़िता की इंस्टाग्राम आईडी हैक कर ली। उसके फोटो और वीडियो चोरी कर लिए। इन फोटो और वीडियो को एडिट कर उन्हें अश्लील बना लिया। आरोप है कि पांच जून 2025 को युवक ने फोटो और वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल की धमकी देकर छेड़खानी की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने शादी करने का झांसा देकर शांत कर दिया लेकिन मंगलवार को उसने शादी करने से साफ मना कर दिया। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

संक्षिप्त समाचार

सबसे ठंडा बड़ा दिन... तापमान 17.8, दो दिन का अलर्ट, मुरादाबाद में कक्षा आठ तक के स्कूल बंद

मुरादाबाद में लगातार कोहरा छाए रहने के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। छह वर्षों बाद 25 दिसंबर को दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। उधर, मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। छह वर्ष बाद 25 दिसंबर को दिन का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। 2020 से 2024 तक ऐसा नहीं हुआ। अधिकतम तापमान 17.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जोकि सामान्य से 2.6 डिग्री कम रहा। इससे पहले 25 दिसंबर 2019 को दिन का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।दिन के समय धूप न निकलने से ठंड का अहसास बना रहा। वहीं 25 दिसंबर की सुबह न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक रहा। सुबह 8:30 बजे आर्द्रता 88 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शाम 5:30 बजे यह 75 प्रतिशत रही।अधिक नमी के कारण सुबह के समय कोहरा और गलन महसूस की गई। आने वाले दो दिनों में मौसम विभाग ने घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। धूप न निकलने की आशंका जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अधिक आर्द्रता और कम तापमान के चलते आने वाले दिनों में कोहरा छाने की संभावना बनी रहेगी।मौसम वैज्ञानिक डॉ. आरके सिंह के मुताबिक सात दिन के पूर्वानुमान के अनुसार 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक क्षेत्र में ठंड और कोहरे का प्रकोप बना रहेगा। इस अवधि में न्यूनतम तापमान 9 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि अधिकतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंच पाएगा। अधिकांश दिनों में घना कोहरा छाए रहने का अनुमान है। 27 दिसंबर को बहुत घना कोहरा रहने की चेतावनी दी गई है।नर्सरी से कक्षा आठ तक के स्कूल आज बंद रहेंगे शीतलहर के बीच बच्चों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत जिले में आठवीं बंद के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। डीएम अनुज सिंह के निर्देशों पर बीएसए विमलेश कुमार ने यह आदेश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि शीतलहर के कारण कक्षा नर्सरी से आठवीं तक के सभी बोर्ड के परिषदीय, माध्यमिक, राजकीय, सहायता प्राप्त विद्यालयों में 26 दिसंबर को अवकाश रहेगा।

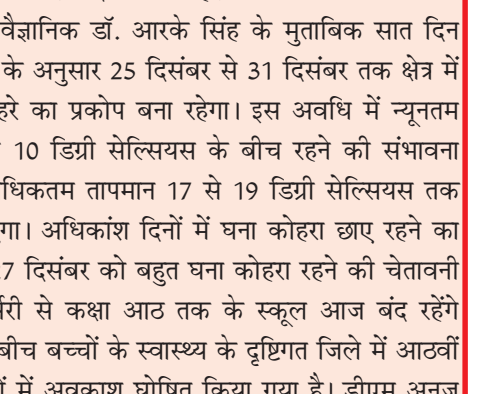

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि ठंड इसी तरह रही तो 27 दिसंबर को भी अवकाश घोषित किया जा सकता है। नवीं से 12वीं तक के सभी स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थान अपने समय पर खुलेंगे। फसलों पर यह होगा प्रभाव - पंतनगर विश्वविद्यालय के एक कृषि वैज्ञानिक के मुताबिक मौसम का यह मिजाज रबी फसलों के लिए मिला-जुला प्रभाव लेकर आया है। गेहूं और सरसों की फसलों को ठंड से लाभ मिल सकता है, जिससे उनकी बढ़वार बेहतर हो सकती है। हालांकि, अधिक नमी और कोहरे के कारण फंगल रोग लगने की आशंका बढ़ जाती है, खासकर गेहूं और सब्जियों में। आलू, मटर और हरी सब्जियों की फसलों में पाले और नमी से नुकसान का खतरा बना हुआ है। कृषि विशेषज्ञ ने किसानों को सलाह दी है कि वे खेतों में जलभराव न होने दें।कोहरे में 17 ट्रेनें लेट, हर दिन 250 टिकट रद्द- कोहरे के कारण ट्रेनें समय से नहीं चल पा रही हैं। यात्रियों को स्टेशन पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। परेशान होकर रोजाना करीब 250 यात्री टिकट रद्द कर रहे हैं। ऑनलाइन निरस्तीकरण कराने वालों की संख्या ज्यादा है। श्रमजीवी, आला हजरत एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें चार से छह घंटे लेट चल रही हैं। बृहस्पतिवार को भी यही स्थिति रही।मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर शाम सात बजे पहुंचने वाली सियालदह एक्सप्रेस रात 10 बजे पहुंची। पंजाब मेल एक्सप्रेस साढ़े तीन घंटे और आला हजरत एक्सप्रेस छह घंटे लेट रही। रेल प्रशासन का कहना है कि कोहरे के कारण सुरक्षा व संरक्षा का ध्यान रखते हुए ट्रेनों की गति कम है। कुछ मंडलों में ब्लॉक भी चल रहे हैं। इन सब के बीच टीम समय पालन सुधारने में लगी है।

रेलवे ने चेताया... नहीं हटे दुकानदार तो चलेगा बुलडोजर, 15 हजार लोगों की आजीविका पर मंडराया खतरा

रेलवे ने स्टेशन रोड की करीब 70 दुकानों पर लाल निशान लगाकर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए हैं। तय समय पर दुकानें खाली न होने पर बुलडोजर चलाने की चेतावनी दी गई है। रेलवे ने स्टेशन रोड की करीब 70 दुकानों पर लाल निशान लगाने के बाद व्यापारियों को कुछ दिन की मोहलत दी है। विभाग ने कहा है कि यदि व्यापारी नहीं हटे तो पुलिस प्रशासन के सहयोग से दुकानें खाली कराई जाएंगी। रेलवे की जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए बुलडोजर का सहारा भी लिया जा सकता है। इस मामले को लेकर बुधवार को स्टेशन रोड के व्यापारी कलक्ट्रेट और डीआरएम कार्यालय भी पहुंचे थे। डीआरएम से मुलाकात न होने पर उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन देकर लौट आए। दुकानदारों की मांग है कि 1971 से दुकानें यहां स्थापित हैं। उस समय यह क्षेत्र इज्जतनगर रेल मंडल में आता था। 2002-2003 तक रेलवे को दिए गए किराये की रसीद दुकानदारों के पास हैं। मुरादाबाद मंडल में आने के बाद कभी किराया जमा नहीं हुआ। रेल की भूमि से दुकानों को हटाने का विवाद 2003 से चल रहा है। एक बार फिर रेलवे ने इन दुकानों पर लाल निशान लगा दिए हैं। इंजीनियरिंग विभाग की टीम अतिक्रमण हटाने के लिए कार्रवाई करेगी। इसके लिए पुलिस प्रशासन से सहयोग मांगा गया है।

15 हजार लोगों की आजीविका पर खतरा

मुरादाबाद। स्थानीय व्यापारी संजय अरोड़ा, भरत अरोड़ा, अनीस आदि का कहना है कि बस अड्डे के सामने, कटघर में और संभल फाटक वाले पुल के पास 165 दुकानें हैं। इन दुकानों से 15 हजार लोगों को पालन पोषण हो रहा है। यदि रेलवे दुकानें हटाने की कार्रवाई करता है तो लोग सड़क पर आ जाएंगे।

व्यापारियों की मांग है कि उन्हें दूसरे स्थान पर दुकानें बनाकर दी जाएं। वहीं कुछ व्यापारियों का कहना है कि दुकानों का मामला कोर्ट में चल रहा है। बिना फैसला आए दुकानों को हटाने के लिए लाल निशान लगाना गलत है।

कई दुकानों का मामला कोर्ट में चल रहा है। बिना परिणाम के रेलवे द्वारा कार्रवाई की जा रही है। हम अपनी रोजी रोटी बचाने के लिए प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से अपील कर रहे हैं। - **संजय अरोड़ा, व्यापारी**

1971 के बाद से यहां दुकानें स्थापित हैं। रेलवे के पास जमीन का रिकॉर्ड नहीं है और व्यापारियों के पास 2002 के बाद तक इज्जत नगर मंडल में जना किए गए किराये की रसीदें हैं। इस तरह लोगों को हटाना नहीं चाहिए। - **भरत अरोड़ा, व्यापारी**

10 से 15 हजार लोगों का परिवार इन दुकानों से चलता है। हमारे कई साथियों की दुकान पर लाल निशान लगाए गए हैं। इसका हम सभी मिलकर विरोध कर रहे हैं। - **अनीस, व्यापारी**

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने दुकानदारों ने अपना पक्ष रखा है। जनप्रतिनिधियों की ओर से आश्वासन भी मिला है। उम्मीद है कि समस्या का हल निकलेगा। - **मो. तसलीम, व्यापारी**

दुकानें रेलवे की जमीन पर हैं। नियमानुसार और कानूनी प्रक्रिया के तहत रेलवे की जमीन खाली कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन व पुलिस के समन्वय से यह कार्य किया जाएगा। - **आदित्य गुप्ता, सीनियर डीसीएम**

एएमयू में ठाकुरद्वारा के पूर्व विधायक के दामाद की हत्या, मुरादाबाद में तलाशे जा रहे सुराग, परिजन स्तब्ध

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में कंप्यूटर शिक्षक और ठाकुरद्वारा के पूर्व विधायक मोहम्मद उल्लाह चौधरी के दामाद राव दानिश अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। हमलावरों के बारे में पता करने के लिए मुरादाबाद में भी सुराग तलाशे जा रहे हैं। घटना के बाद परिजन सन्न हैं।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा विधानसभा के पूर्व विधायक मोहम्मद उल्लाह चौधरी के दामाद एवं कंप्यूटर शिक्षक राव दानिश अली (45) की हत्या क्यों व किसने की यह सवाल 24 घंटे बाद भी अनुत्तरित है। हालांकि, जिस अंदाज में दानिश पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, उससे साफ है कि दानिश के प्रति बदमाशों के मन में कोई गहरी खुन्नस थी।हत्या की इसी वजह को तलाशने के लिए पुलिस एएमयू से लेकर मुरादाबाद तक के पुराने विवादों में सुराग तलाश रही है। दानिश के छोटे भाई ने अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। पूर्व विधायक मोहम्मद उल्ला चौधरी के दामाद राव दानिश अली मूल रूप से बुलंदशहर डिबाई के रहने वाले थे वह वर्तमान में अलीगढ़ के अमीर निशा सिविल लाइंस में रह रहे थे।राव दानिश अली अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एबीके बॉयज स्कूल में कंप्यूटर शिक्षक थे। बुधवार रात 08.45 बजे वह रोजाना की तरह एएमयू लाइब्रेरी कैंटीन परिसर में अपने साथी इमरान व भोलू संग टहल रहे थे। इस दौरान स्कूटी सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। इस हत्या के संबंध में उनके छोटे भाई एएमयू इंजीनियरिंग कॉलेज के शिक्षक राव फराज अली ने सिविल लाइंस थाने में अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। इधर, रात में पोस्टमार्टम के बाद तड़के शव घर पहुंचा। दिन में परिवार, समर्थकों, परिचितों व एएमयू कर्मियों की भारी भीड़ के बीच शव को एएमयू कब्रिस्तान में दफन किया गया। बता दें कि दानिश की मां एएमयू में शिक्षिका रही हैं। पिता एएमयूकर्मी रहे हैं। सिर में लगीं चार गोलियां एक कंधे के पास बाजू में दो बजे रात से तड़के चार बजे तक चले पोस्टमार्टम में उजागर हुआ है कि चार गोलियां तो दानिश के सिर में ही लगी है। पांचवीं गोली दायें कंधे के पास बाजू में लगी। इनमें से सिर्फ की एक गोली सिर में फंसी मिली है, जिसके लिए शव का एक्सरे भी कराया गया। बाकी सभी गोलियां आरपार निकली हैं। फंसा मिला बुलट .32 बोर का है। इसे संरक्षित कर पुलिस को दे दिया गया है। इससे साफ है कि सिर में ही एक साथ इतनी गोलियां मारने से खुन्नस कितनी होगी। इधर, हत्या की खबर पर ससुराल पक्ष से मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा के पूर्व विधायक उनके ससुर डॉ. मोहम्मद उल्लाह चौधरी का परिवार भी यहां पहुंच गया था।

जनाजे में उमड़ी भीड़, परिवार में कोहराम- सुबह से ही दानिश के घर भीड़ उमड़ रही थी। सियासी, सामाजिक व एएमयू से जुड़े लोग जमा होने लगे थे। दोपहर में अमीर निशा स्थित घर से जनाजा एएमयू कब्रिस्तान के लिए निकला तो इसमें भारी भीड़ शामिल रही। वहीं मां, बाप, भाई के अलावा पत्नी व दो बच्चों शाद व मास का हाल बेहाल था। उन्हें परिवार व मोहल्ले के लोग किसी तरह संभालने का प्रयास कर रहे थे। एएमयू शिक्षक की हत्या को लेकर अभी कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। परिवार ने अज्ञात में रिपोर्ट कराई है। हमारी तीन टीमें खुलासे के लिए हर विवाद पर सुराग तलाश रही हैं। सीसीटीवी से लेकर सर्विलांस व मुखबिरी तक का सहारा लिया जा रहा है। जल्द खुलासा किया जाएगा।- - मृगांक शेखर पाठक, एसपी सिटी

तीन बेटियों के पिता ने बच्ची से की दरिंदगी, सहमी है पीड़िता, पहले भी की ऐसी हरकत.. जेल में था बंद

अगवानपुर में जेल से छूटकर आए दुष्कर्म के आरोपी ने छह साल की बच्ची से की दरिंदगी कर दी। इसकी जानकारी मिलने पर परिजनों ने उसे जमकर पीटा। इसके बाद पुलिस के हवाले कर दिया गया है। सिविल लाइंस थानाक्षेत्र के अगवानपुर में बृहस्पतिवार की शाम जमानत पर जेल से छूटे दुष्कर्म के 32 वर्षीय आरोपी छह साल की बच्ची को खंडहर में ले गया और उसके साथ दरिंदगी की। पीड़िता रोते हुए घर पहुंची तो उसकी चाची और परिवार की अन्य महिलाएं घबरा गईं। पूछताछ करने पर बच्ची ने आपबीती सुनाई तो परिजन सन्न रह गए।उन्होंने बाजार में आरोपी को दबोच लिया और उसकी जमकर पिटाई की। पुलिस आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर रही है। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार की शाम बच्ची अपनी चाची के कहने पर बाजार से पान लेने गई थी। शाम करीब पौने पांच बजे रास्ते में उसे दूर का रिश्तेदार आरोपी मिल गया और बहला फुसलाकर एक खंडहर में ले गया।यहां एक गड्ढे में बच्ची को डाल दिया। बच्ची ने शोर मचाने की कोशिश की तो उसने मुंह दबा दिया। इसके बाद आरोपी ने बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और चाची व अन्य महिलाओं को बताया कि उसके पेट में दर्द हो रहा है। बच्ची के कपड़े खून से सने थे। पूछताछ करने पर पीड़िता ने आपबीती सुनाई तो परिजन आरोपी की तलाश में जुट गए। उन्होंने आरोपी को बाजार में दबोच लिया और उसकी पिटाई की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक हुई संपन्न

हाईवे से 500 मीटर की दूरी पर रहेंगी शराब की दुकानें 9 जिलाअधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि हाईवे से 500 मीटर क्षेत्र में जो भी शराब की दुकानें हैं उन्हें हटवाया जाए। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि नवंबर माह में कितनी दुर्घटनाएं हुई हैं तथा उनमें से कितनों का उपचार हुआ है उसकी एक सूची बनाई जाए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार जो भी जिले दुर्घटनाओ की दृष्टि से संवेदनशील हैं वहां पर क्रेन तथा एंबुलेंस की संख्या अधिक से अधिक रखी जाए।

बैठक में निर्देश दिए गए कि पेट्रोल पंप तथा टोल प्लाजा पर ऐसे होर्डिंग तथा बैनर लगाया जाए जिससे कि लोग जागरूक हो सके ।

बैठक में जिला गन्ना अधिकारी को निर्देश दिए गए कि भारी वाहन ट्रैक्टर की ट्रॉली पर ऐसे रिफ्लेक्टर लगाए जाएं जो की रात में दिखाई दे। आर.टी.ओ को निर्देश दिए गए कि हाईवे एवं कट के पास हाई मार्क्स लाइट लगाई जाए जिससे कि लोगों को निकालने में असुविधा न हो। परिवहन अधिकारी तो निर्देश दिये गए कि समस्त डबल डेकर बसों में सुरक्षा के मानक उपलब्ध है या नहीं। इसकी जाँच की जाये। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए गए कि जिन जगहों पर अभी तक ब्लैक स्पॉट चिन्हांकन नहीं हो पाया है वहां समय अंतर्गत चिन्हांकन किया जाए ।

बैठक में निर्देश दिए गए कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार सुरक्षा का एक बड़ा कार्यक्रम कराया जाए जिसमें कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया जाए।

जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिये गए कि समस्त स्कूलों में बच्चों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने हेतु चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक आयोजन कराया जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग भगत सिंह, जिला गन्ना अधिकारी दिलीप कुमार सैनी सहित संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे ।

बरेली में आईसीएआई (सीए) का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन 27 व 28 दिसंबर 2025 को

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) की बरेली शाखा द्वारा दिनांक 27 एवं 28 दिसंबर, 2025 को E&ecutive Club, बरेली में सीए के तत्वावधान में एक भव्य राष्ट्रीय सम्मेलन संवाद का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी अध्यक्ष रतन गुप्ता ने एक पर्सवार्ता में दी।

उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं प्रतिष्ठित प्रोफेशनल्स सहभागिता करेंगे। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की तेजी से बदलती पेशेवर भूमिका, राष्ट्र निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भागीदारी तथा नव प्रवेशी चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए उभरते नए अवसरों पर गहन एवं सार्थक विमर्श करना है। सम्मेलन के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), फॉरेंसिक ऑडिट, डिजिटल एवं क्लाउड-आधारित तकनीक, ग्लोबल नेटवर्किंग तथा आधुनिक प्रोफेशनल स्किल्स जैसे समसामयिक विषयों पर देश के प्रख्यात वक्ता अपने विचार साझा करेंगे।

इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से पधार रहे सीए कपिल गोयल, सीए पंकज शाह, सीए रुद्र मूर्ति, सीए कपिल वैश्य, सीए राजेन्द्र शाह एवं सीए उत्तम मोदी जैसे प्रतिष्ठित वक्ता अपने अनुभव एवं विशेषज्ञता से प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इसके अलावा बरेली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री मणिकंदन ए. रोहिलखंड विश्वविद्यालय के कुलपतिश्री के. पी. सिंह तथा IVRI के निदेशक डॉ. त्रिवेणी दत्त विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मेलन की शोभा बढ़ाएंगे।

आईसीएआई बरेली शाखा को पूर्ण विश्वास है कि यह राष्ट्रीय सम्मेलन न केवल चार्टर्ड अकाउंटेंसी पेशे को नई दिशा प्रदान करेगा, बल्कि समाज में बौद्धिक ऊर्जा, सकारात्मक सोच एवं पेशेवर उत्कृष्टता को भी सुदृढ़ करेगा।

प्रेस वार्ता में सम्मेलन अध्यक्ष सीए रतन गुप्ता, शाखा अध्यक्ष सीए अमित टंडन, उपाध्यक्ष सीए नीरज अग्रवाल, सचिव सीए विनीश अरोड़ा, कोषाध्यक्ष सीए गौरव अग्रवाल, कार्यकारिणी समिति के सदस्य सीए सुमित अग्रवाल एवं सीए अंकित मेहरा, तथा मीडिया प्रभारी सीए प्रदीप तिवारी, सीए मनोज मंगल एवं सीए अरविन्द सिंह मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

नववर्ष पर बिना लाइसेंस मदिरा परोसने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा / शिवपुरी,ब्यूरो। नववर्ष के आगमन को लेकर 31 दिसंबर 2025 एवं 1 जनवरी 2026 को जिले में होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों एवं निजी स्थलों पर आयोजित होने वाली पार्टियों के दौरान बिना वैध लाइसेंस के मदिरा परोसने एवं सेवन पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। जिला आबकारी अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस मदिरा परोसी या सेवन कराए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति, संचालक अथवा आयोजनकर्ता के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 1915 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला आबकारी अधिकारी ने जिले के समस्त नागरिकों, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा संचालकों एवं पार्टी आयोजकों को सूचित किया है कि यदि किसी निजी स्थल अथवा व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर मदिरा परोसने या सेवन से संबंधित पार्टी का आयोजन किया जाना है, तो उसके लिए कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, शिवपुरी से विधिवत ऑनलाइन आवेदन कर ऑकेशनल लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि लाइसेंस प्राप्त किए बिना किसी भी प्रकार की पार्टी आयोजित किए जाने की सूचना मिलने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति अथवा आयोजनकर्ता की होगी। किसी भी प्रकार की वैधानिक कार्रवाई से बचने के लिए आयोजकों को पार्टी से पूर्व समय रहते आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करना सुनिश्चित करना होगा।

निरीक्षण के दौरान बंद मिले छह स्कूल, बीएसए ने रोका स्टाफ का वेतन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली जिले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विभिन्न विकास खंडों में निरीक्षण के दौरान अनाधिकृत रूप से बंद पाए गए छह प्राथमिक विद्यालयों के समस्त स्टाफ का वेतन, मानदेय तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। यह कार्रवाई 21 नवंबर से 20 दिसंबर के मध्य जिले के विभिन्न अधिकारियों के किए गए आकस्मिक निरीक्षण की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। बीएसए डॉ. विनीता की ओर से जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षण के समय स्कूल बंद पाए गए थे, जिसके कारण वहां कार्यरत समस्त स्टाफ का वेतन अगले आदेश तक अवरुद्ध कर दिया गया है।

18 फरवरी से शुरू होंगी मुख्य परीक्षा, इससे पहले सभी तैयारियों का होगा परीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा को लेकर जिले में तैयारियां तेजी से चल रही हैं। परीक्षा केंद्र निर्धारित हो चुके हैं। 18 फरवरी से मुख्य परीक्षाएं शुरू होंगी। मुख्य परीक्षा शुरू होने से पहले रिहर्सल आयोजित की जाएगी। इसमें 129 परीक्षा केंद्रों पर कुल 92,137 परीक्षार्थी शामिल होंगे। हाईस्कूल में 49,977 और इंटरमीडिएट में 42,158 परीक्षार्थी रिहर्सल में भाग लेंगे। इस परीक्षा का उद्देश्य मुख्य परीक्षा से पहले बैठने की व्यवस्था, प्रश्नपत्र और उत्तरपुस्तिकाओं का वितरण, समय प्रबंधन और अनुशासन जैसी सभी प्रक्रियाओं को सही तरीके से देखना है। यह रिहर्सल केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि वास्तविक परीक्षा के अनुसार ही आयोजित की जाएगी। डीआईओएस डा. अजीत कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा की निगरानी और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए गए हैं कि सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील हों, विद्युत आपूर्ति निरंतर रहे, खिड़कियों में जाली लगी हो और सभी आवश्यक सुविधाएं समय से पहले पूरी कर ली जाएं। रिहर्सल परीक्षा के दौरान जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की जाएगी, जो केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और किसी भी कमी को तत्काल दुरुस्त कराएंगे। इसके अलावा, परीक्षा प्रक्रिया की पूरी वीडियो रिकार्डिंग अनिवार्य रूप से की जाएगी और बोर्ड को भेजी जाएगी। यह रिहर्सल परीक्षा मुख्य परीक्षा से पहले सभी व्यवस्थाओं की जांच करने और संभावित खामियों को सुधारने का महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बरेली मे आज गुरु गोविंद सिंह जयंती पर रहेगा सार्वजनिक अवकाश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश शासन ने वर्ष 2025 के घोषित सार्वजनिक अवकाशों की सूची में संशोधन करते हुए साहिब श्री गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर 27 दिसंबर 2025 (शनिवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।

इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, शासनादेश संख्या 870/तीन-2024-39(2)-2016 दिनांक 17 दिसंबर 2024 के तहत घोषित अवकाशों की सूची के परिशिष्ट-2 में बिंदु (4) के अंतर्गत यह संशोधन किया गया है। अब गुरु गोविंद सिंह जयंती को अवकाश सूची के क्रमांक-3 के रूप में सम्मिलित किया गया है। राजकीय पंचांग के अनुसार यह पर्व पौष मास की षष्ठी तिथि (पौष 06, 1947 शक संवत) तथा विक्रम संवत 2082 के पौष शुक्ल 07 को मनाया जाएगा। इस दिन प्रदेश भर में सभी सरकारी कार्यालय, शिक्षण संस्थान एवं अन्य शासकीय प्रतिष्ठान बंद रहेंगे। जिलाधिकारी बरेली द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह संशोधन शासन के पूर्व आदेशों के अनुरूप प्रभावी माना जाएगा।

18 दैनिक भोगी कर्मचारियों को मिली स्थायित्व की सौगात, वन मंत्री अरुण कुमार ने बांटे नियुक्ति पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने वन विभाग में लंबे समय से अस्थाई तौर पर सेवा दे रहे दैनिक भोगी कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी। वर्षों से अस्थायी रूप से सेवाएं दे रहे वन विभाग के 18 दैनिक भोगी कर्मचारियों को नियमित करते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र मिलते ही कर्मचारियों के चेहरों पर खुशी साफ झलकने लगी और माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। कार्यक्रम मुख्य वन संरक्षक कार्यालय प्रांगण में आयोजित किया गया, जहां मुख्य वन संरक्षक पी.पी. सिंह एवं डीएफओ दीक्षा भंडारी की उपस्थिति में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

नियमित किए गए कर्मचारियों को वन विभाग में माली, अर्दली, ट्रैक्टर क्लीनर एवं क्षेत्र सहायक जैसे पदों पर स्थायी नियुक्ति दी गई है। लंबे समय से विभाग की सेवा कर रहे इन कर्मचारियों के लिए यह निर्णय न केवल आर्थिक सुरक्षा लेकर आया है, बल्कि उनके परिवारों के भविष्य को भी स्थायित्व प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान रेंजर वैभव चौधरी, रेंजर ऋषि ठाकुर तथा डिप्टी रेंजर हरेंद्र गंगवार समेत अन्य विभागीय अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने कर्मचारियों को बधाई देते हुए उनसे ईमानदारी और निष्ठा के साथ विभागीय दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के हितों के प्रति संवेदनशील है और योग्य दैनिक भोगियों को चरणबद्ध तरीके से नियमित किया जाएगा। यह निर्णय विभागीय कार्यकुशलता को और मजबूत करेगा।

शादी से मना करने पर आशिक ने एडिट कर वायरल किए फोटो, लड़की ने खाया जहर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। एक युवती ने शादी से इनकार किया तो फर्नीचर डिजाइनर युवक ने उसके फोटो एडिट करके सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद भी आरोपी नहीं माना तो बदनामी से आहत होकर युवती ने जहर खा लिया। बताया जा रहा है कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश किया है। बारादरी के मोहल्ला कोट निवासी फरमान उर्फ छोटू बीटेक पास है और फर्नीचर की डिजाइनिंग का कार्य करता है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार बारादरी क्षेत्र में ही रहने वाली एक युवती की खूबसूरती को देखकर फरमान उससे एकतरफा मोहब्बत करने लगा और बात करने का दबाव बनाने लगा।

फरमान ने अपने माता-पिता को युवती के घर रिश्ता लेकर भेजा लेकिन उसके घरवालों ने मना कर दिया। इस पर आरोपी ने सोशल मीडिया से युवती को फोटो निकाला और एडिट करके उसे अश्लील बना दिया। फिर युवती को व्हाट्सएप पर वीडियो कॉलिंग करके उस फोटो के जरिये ब्लैकमेल कर बात करने का दबाव बनाने लगा। अश्लील फोटो के जरिये फरमान युवती को ब्लैकमेल कर रुपये भी वसूलने लगा। इसकी जानकारी होने पर युवती के पिता ने उसके घर जाकर शिकायत की तो विवाद भी हुआ, जिसके बाद थाना बारादरी 21 दिसंबर को फरमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की तो वह फरार हो गया।

वहीं, दूसरी ओर बदनामी से आहत होकर युवती ने 23 दिसंबर को जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत में सुधार होने के बाद गुरुवार को पुलिस ने युवती के बयान दर्ज कर आरोपी फरमान उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

माघ मेला के अवसर पर चलेगी कासगंज-झूसी माघ मेला विशेष गाड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु रेल यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा हेतु 00501 कासगंज-झूसी माघ मेला विशेष गाड़ी 28, 29 एवं 30 दिसंबर, 2025 को निम्नवत समय सारणी के अनुसार संचालन किया जायेगा। 00501 कासगंज-झूसी विशेष गाड़ी कासगंज से 15.00 बजे, बदायूं से 15.50 बजे, बरेली सिटी से 17.00 बजे, इज्जतनगर से 17.30 बजे, भोजीपुरा से 18.10 बजे, पीलीभीत से 19.00 बजे, पूरनपुर से 19.40 बजे, मैलानी से 20.45 बजे, लखीमपुर से 21.27 बजे, सीतापुर से 22.20 बजे, बुढ़वल से 23.55 बजे, गोण्डा से 01.05 बजे, बस्ती से 02.20 बजे, गोरखपुर से 04.10 बजे, देवरिया से 05.05 बजे, भटनी से 05.30 बजे, बेल्थरा रोड से 06.05 बजे, मऊ से 06.50 बजे, औड़ीहार से 07.55 बजे, वाराणसी सिटी से 08.55 बजे, वाराणसी जं0 से 09.15 बजे, बनारस से 09.35 बजे, माधोसिंह से 10.20 बजे, ज्ञानपुर रोड से 10.40 बजे प्रस्थान कर झूसी 11.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय/शयनयान श्रेणी के 14 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित 16 कोच लगाये जायेंगे। इस गाड़ी में सभी कोच अनारक्षित होंगे।

भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाडियों को आर्थिक पेंशन योजना में निदेशालय को पत्र भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । आत्या पात्या अर्न्तराष्ट्रीय खिलाड़ी से सभी औपचारिकतायें पूर्ण कराकर आवेदन प्रार्थना पत्र अपनी संस्तुति सहित, भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाडियों को आर्थिक पेंशन योजना के अर्न्तगत आपकी सेवा में स्वीकृति हेतु भेजा था। उसकी प्रतिलिपि उक्त खिलाड़ी को गयी थी । स्वीकृति की सूचना 3 माह बीत जाने के बाद कोई सूचना नही मिली। जब में जुलाई माह में खेल निदेशालय आपसे मिलने उक्त खिलाड़ी के साथ गया परन्तु आपके लखनऊ से बाहर होने के कारण सम्पर्क नही हो सका ! खेल निदेशालय में उक्त योजना के तहत आपके द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी बनायी गयी थी। उसमें आपके उक्त खिलाड़ी का नाम चयन कर प्रस्तावित कर दिया गया है। परन्तु आज तक प्रार्थना पत्र पैन्डिंग पड़ा है। जब की अन्य आवेदकों के प्रार्थना पत्र निस्तारित करते हुये स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। उक्त खिलाडी बेरोजगार है और उसका जीविका उपार्जन का कोई सहारा नही है । आर्थिक सहायता पेंशन स्वीकृत करने की कृपा करें। जिस पर आपने मुझे आश्वासन दिया था कि मैं स्वीकृत कर दूँगा। कॉल डिटेल निकल वायी जा सकती है। अत: आपसे पुन: नम्र भूतपूर्व प्रसिद्ध खिलाड़ी श्री अमित कुमार सिंह पुत्र श्री दीन राजेन्द्र नगर बरेली की आर्थिक सहायता / पेंशन स्वीकृत कर न्याय करने की कृपा करें।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे तीनों दोस्त, 13 लोगों के खिलाफ एफआईआर

गाजीपुर जिले में दो युवकों की हत्या और एक युवक के लापता होने के मामले को लेकर पूरे जिले में हड़कंप मचा है। तीनों दोस्त जन्मदिन की पार्टी से लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। गाजीपुर जिले के गहमर के खेलूराय पट्टी में बुधवार की रात दो युवकों की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक विक्की के भाई विकास सिंह की तहरीर पर 12 नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पार्टी से लौट रहे थे। इसी दौरान वारदात दीनदयाल पांडेय ने बताया कि तहरीर देकर जानकारी दी कि भाई बुधवार की रात 11.30 बजे अपने दो साथ टनमन उर्फ शशांक सिंह के पुत्र वापस लौट रहे थे।खेलूराय पट्टी गांव अमित सिंह, अमन सिंह, ओम सिंह, अभिषेक सिंह सहित कई अज्ञात पुरानी दो उसके दो साथी सौरभ सिंह और टंकी के पास ले जाकर मारपीटा और तालाब में फेंक दिया।भाई विक्की सिंह मिल गया है, जबकि एफआईआर नहीं मिला है। आरोप लगाया कि यह में आया चंदन सिंह उर्फ माही, संजय साजिशकर्ता हैं। जबकि प्रशांत सिंह कोतवाल ने बताया कि अमित सिंह,

आरोप है कि तीनों युवक जन्मदिन की को अंजाम दिया गया।गहमर कोतवाल खेमनराय पट्टी निवासी विकास सिंह ने विक्की सिंह अपने दो मित्रों के साथ मित्रों अंकित सिंह और सौरभ सिंह के के जन्मदिन में गए थे। खाना खाकर तीनों में रास्ते में घात लगाकर बैठे हत्यारोपी लखन उर्फ विकास सिंह, अरविंद सिंह, रंजीश को लेकर भाई विक्की सिंह और अंकित सिंह को पकड़कर गहमर नई पानी धारदार हथियार से हत्याकर शवों को और उसके साथ सौरभ सिंह का शव लिखे जाने तक अंकित सिंह का शव भी जानकारी हुई है कि जन्मदिन समारोह सिंह, आदर्श सिंह एवं उजाला मुख्य और और नीरज सिंह भी आरोपी हैं। अमन सिंह, ओम सिंह, लखन उर्फ विकास सिंह, अरविंद सिंह, अभिषेक सिंह, चंदन सिंह उर्फ माही, संजय सिंह, आदर्श सिंह, उजाला, प्रशांत सिंह और नीरज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। दीवारों पर लगे खून के धब्बे दे रहे वारदात की गवाहीखेलूराय पट्टी की गलियों और दीवारों पर लगे खून के धब्बे दो युवकों की हत्या की जघन्य वारदात की गवाही दे रहे थे। जगह-जगह खून फैला था। पोखरे के पास सौरभ, विक्की और अंकित की बाइक खड़ी थी। दो गलियों में घसीटने के निशान थे। पोखरे के पास घास में मांस के लोथड़े पड़े थे। वहीं, खेलूराय पट्टी में दहशत का माहौल था। ज्यादातर घरों में ताले लगे थे। महिलाएं और बच्चे छत पर मौजूद थे। कोतवाल दीनदयाल पांडेय ने बताया कि पुलिस खेलूराय पट्टी पहुंची तो पोखरे से करीब 50 मीटर की दूरी पर गली में बाइक खड़ी थी।पोखरे पर छानबीन के दौरान झाड़ियों में मांस के लोथड़े मिले हैं। वहीं, पोखरे की ओर जाने वाली वाली 50 मीटर और 100 मीटर की दो गलियों में खून फैला था। पोखरे के पास स्थित एक मकान की दीवार और गेट पर पर खून के धब्बे थे। ऐसा लग रहा था कि हत्यारों ने बहुत वीभत्स तरीके से वारदात को अंजाम दिया है। इधर, खेलूराय पट्टी में सुबह से ही सन्नाटा पसरा था। ज्यादातर घरों में ताले बंद थे, जबकि महिलाएं और बच्चे छत पर थे। उनके चेहरों पर साफ झलक रही थी। घटना के बारे में कोई भी कुछ बताने को तैयार नहीं था। वहीं, पुलिस घटना स्थलों को चूने से घेरकर जांच में जुटी रही। देर शाम तक पुलिस के बड़े अधिकारी भी छानबीन और पूछताछ में जुटे रहे। एसओ समेत तीन के खिलाफ कार्रवाई के निर्देशखेलूराय पट्टी में दो युवकों की हत्या और एक युवक के लापता होने के मामले को डीआईजी वैभव कृष्ण ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने 27 सितंबर को दोनों गुटों में पथराव और फायरिंग के दौरान तत्कालीन गहमर के प्रभारी निरीक्षक सहित तीन के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। साथ ही एसपी को मामले का जल्द खुलासा करने को कहा है। डीआईजी ने एसपी से कहा कि 27 सितंबर को दोनों गुटों के बीए हुए विवाद के बाद की विवेचना एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए टीम गठित की जाए। साथ ही गहमर के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक, हल्का प्रभारी और विवेचक के खिलाफ कार्रवाई की जाए। पेट्रोलिंग व्यवस्था की जाए सुनिश्चित- डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया कि पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी गई है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया गया। वहीं, एसपी को निर्देशित किया गया है कि तीनों पीड़ित परिवारों की सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक पुलिस टीम तैनात किया जाए। दोनों गांवों और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की व्यापक उपस्थिति एवं पेट्रोलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। छानबीन में यह भी तथ्य सामने आए कि घटना से संबंधित दोनों पक्षों में पूर्व से विवाद चल रहा था। आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करें।

सुरेंद्र हत्याकांड: एक रात के लिए पत्नियों की अदला-बदली का दबाव डाल रहा था सुरेंद्र, दोस्त ने ईंट से मार डाला

काशीपुर नेशनल हाईवे के नजीबाबाद बाईपास के पास 21 दिसंबर को सुरेंद्र का शव पड़ा मिला था। पुलिस को मौके से एक जैकेट पड़ी मिली थी, जिसमें बस का एक टिकट था। उसी से पुलिस उसके दोस्त संदीप तक पहुंच गई।देहरादून सचिवालय में तैनात सफाई दी। पत्नी के संबंध में अक्सर अश्लील टिप्पणी से आहत होकर करते हुए सुरेंद्र की हत्या का खुलासा कर दिया है।एएसपी सिटी काशीपुर नेशनल हाईवे के नजीबाबाद बाईपास के पास एक शव नांगल के रूप में हुई। सुरेंद्र कई साल से देहरादून में रहता था। हरचंदपुर आने की जानकारी उसके दोस्त संदीप निवासी नालापानी बस में सवार होकर पहले रुड़की, फिर हरिद्वार और इसके बाद नजीबाबाद पहुंच गए। नजीबाबाद में बाईपास पर सुनारोवाली के हत्या कर दी। हत्या करने के बाद अपनी जैकेट डालकर शव को सिपाही पहुंचे तो आरोपी भाग निकला। पकड़ा गया आरोपी संदीप पद पर तैनात है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में बताया

कर्मी ने वाइफ स्वैपिंग के लिए दबाव डाल रहे दोस्त की हत्या कर भी आरोपी ने यह कदम उठाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि 21 दिसंबर की शाम हरिद्वार पड़ा मिला, जिसकी शिनाख्त सुरेंद्र सिंह निवासी गांव हरचंदपुर थाना सोमवार सुबह सुरेंद्र बाइक से अपने गांव हरचंदपुर आया।सुरेंद्र के रोड थाना डालनवाला देहरादून को थी। तय योजना के तहत संदीप मंडावली पहुंचा, मंडावली में उसे सुरेंद्र मिला। इसके बाद दोनों पास दोनों ने शराब पी। फिर संदीप ने ईंट से वार करते हुए सुरेंद्र की जलाने का भी प्रयास किया था। मगर उधर से गश्त करते हुए दो देहरादून के सचिवालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से सफाईकर्मी के कि सुरेंद्र उसका पुराना दोस्त था, जिससे उसने 80 हजार रुपये भी ले रखे थे। उधर सुरेंद्र अक्सर उसकी पत्नी के संबंध में अश्लील टिप्पणी करता था। पत्नी को उसके पास भेजने के लिए दबाव डालता था। कहता था कि दोनों एक रात के लिए अपनी-अपनी पत्नी बदल लेंगे। सुरेंद्र आपराधिक प्रवृत्ति का भी रहा है, जिसके कारण उसकी अनैतिक डिमांड का खुलकर विरोध नहीं करता पाता था। आखिरकार संदीप ने अपने दोस्त सुरेंद्र की हत्या की योजना बना ली थी। लोकेशन से बचने को रुड़की में रखा फोन- संदीप ने क्राइम पेट्रोल देखकर हत्या के ऐसे तमाम तरीकों को बारे में सोचा, जिससे पुलिस की पकड़ में नहीं आने पाए। इसी के चलते वह रविवार को सुरेंद्र के साथ नजीबाबाद नहीं आया। वह बस से सीधे रुड़की पहुंचा, जहां उसने अपने भाई की दुकान से एक सफेद जैकेट खरीदी। इसके साथ ही अपना फोन रुड़की में रख दिया था, ताकि लोकेशन रुड़की में ही बनी रहे। सीसीटीवी से बचने को किया हुडी का प्रयोग-संदीप ने फोन को रुड़की में रखकर लोकेशन से बचने का तरीका खोज लिया था। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज मे चेहरा छिपाए रखने के लिए उसने सफेद हुडी जैकेट खरीदी। हालांकि हत्या के बाद उसकी उक्त जैकेट घटनास्थल पर ही छूट गई थी। जिसमें हरिद्वार से मंडावली तक का बस का टिकट भी मिला था। जिसके बाद पुलिस ने मंडावली और हरिद्वार में सीसीटीवी फुटेज खंगाली। दोनों ही जगहों पर उक्त हुडी जैकेट पहने हुए आरोपी नजर आया। पुलिस आरोपी तक पहुंच ही गई। टीम में ये रहे शामिल- हत्यारोपी को पकड़ने वाली टीम में सीओ नितेश प्रताप सिंह, प्रभारी निरीक्षक राहुल सिंह, प्रभारी सर्विलांस सुनील कुमार, एसआई समयपाल सिंह, एसआई सौरभ सिंह आदि शामिल रहे।

फर्जी ढंग से बन रहा था अपात्रों का आयुष्मान कार्ड, एसटीएफ ने सात जालसाज पकड़े; ओटीपी कर देते थे बायपास

यूपी एसटीएफ ने लखनऊ में आयुष्मान कार्ड घोटाले का खुलासा करते हुए सात जालसाजों को गिरफ्तार किया। आरोपी ओटीपी बायपास कर अपात्र लोगों के फर्जी आयुष्मान कार्ड बनवाते थे। अब तक दो हजार से अधिक कार्ड जारी कर सरकारी योजना को नुकसान पहुंचाया गया।फर्जी आईडी बनाकर अपात्रों का आयुष्मान कार्ड बनाने वाले सात जालसाजों को यूपी एसटीएफ ने 24 दिसंबर को गोमतीनगर विस्तार इलाके से गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अब तक दो हजार से ज्यादा अपात्रों का आयुष्मान कार्ड बनवाकर उन्हें फायदा दिलवाया है। पकड़े गए आरोपियों ने दो आईएसए (Implementation Support Agency) के दो व एक पूर्व एग्जीक्यूटिव और एक एसएचए (State Health Agency, PMYY) का एक्जीक्यूटिव शामिल है।एसटीएफ के एडशिनल एसपी विशाल विक्रम सिंह से मिली जानकारी के अनुसार इसी गिरोह के दो सदस्य को 17 जून 2025 को नवाबगंज प्रयागराज से गिरफ्तार किए गए थे। उस दिन 84 अपात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड बरामद हुए थे।

उस मामले में प्रयागराज के नवाबगंज थाने में एफआईआर कराई गई थी। इस मामले में जांच के दौरान एसटीएफ को फर्जीवाड़ा करने वाले जालसाज गैंग के लखनऊ में सक्रिय होने की सूचना मिली। इस सूचना पर 24 दिसंबर को विजयनगर कॉलोनी खरगापुर से एसटीएफ ने सात आरोपियों प्रतापगढ़ के जलालपुर किठौली थाना पट्टी निवासी चंद्रभान वर्मा , बाराबंकी के जैदपुर निवासी राजेश मिश्रा, बाराबंकी के सफदरगंज निवासी सुजीत कनौजिया, बाराबंकी के जैदपुर निवासी सौरभ मौर्या, गाजीपुर के परसपुरा झुन्नूलाल चौहारा निवासी विश्वजीत सिंह, माल निवासी रंजीत और इटावा सैफई निवासी अंकित यादव को गिरफ्तार किया।

पकड़े गए सभी आरोपी गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर इलाके में मकान नंबर 4/210 में किराये पर रह रहे थे। आरोपी चंद्रभान बीए पास है। राजेश मिश्र बीए एलएलबी का छात्र है और आईएसए का पूर्व एक्जीक्यूटिव है। आरोपी सुजीत ने एमए कर रखा है और मौजूदा समय में आईएसए का एक्जीक्यूटिव है। आरोपी सौरभ बीए पास है और आईएसए का एक्जीक्यूटिव है। आरोपी विश्वजीत एमकॉम की पढ़ाई करने के बाद एसएचए में एक्जीक्यूटिव ग्रीवांस की तरह काम कर रहा है। यह सामान आरोपियों के पास मिला- पकड़े गए आरोपियों के पास से 12 मोबाइल फोन, पांच लैपटॉप, मोबाइल व लैपटॉप से मिले 129 लोगों के आयुष्मान कार्ड से संबंधित डेटा, 70 लोग के अपात्र के आयुष्मान कार्ड के स्क्रीनशॉट, 22 डेबिट कार्ड, आठ पैनकार्ड, 2 आईडी कार्ड, 10 चेकबुक, 5 पासबुक, दो मतदाता पहचान पत्र, दो डीएल, एक स्कैनर, चार मोहर, दो क्यूआर कोड, एक सीपीयू, एक कलर प्रिंटर, तीन सिमकार्ड, एक कार और 60370 रुपये मिले हैं। ओटीपी बायपास कर बनवाते थे कार्ड- पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह लोग पात्र परिवारों की फैमिली आईडी में ओटीपी बायपास कर अपात्र लोगों को जोड़ता था। इसके बाद ङ्क्ष और SHA (State Health Agency) स्तर पर सेटिंग के जरिए आयुष्मान कार्ड अप्रूव कराये जाते थे। पकड़े गए आरोपी चंद्रभान ने बताया कि उसने सौरभ, सुजीत और विश्वजीत को 22 लाख रुपये कार्ड को अप्रूव करने के लिए दिए थे। 6 हजार रुपये में बनता था फर्जी कार्ड- गैंग के मास्टरमाइंड पकड़ा गया आरोपी चंद्रभान वर्मा है। उसने पूछताछ में बताया कि वह प्रति कार्ड 6 हजार रुपये लेता था। दो हजार रुपये फैमिली आईडी में अपात्र व्यक्ति को जुड़वाने में 1000 से 1500 रुपये ङ्क्ष में कार्ड अप्रूवल के लिए, SHA स्तर पर अप्रूवल के लिए 4500 से 5000 रुपये तक खर्च होते थे। पूछताछ में पता चला कि कल्याण सिंह कैंसर इंस्टीट्यूट लखनऊ में रंजीत सिंह, आयुष्मान मित्र के तौर पर कार्यरत है। वह अस्पताल के ही कंप्यूटर ऑपरेटर फर्जी कार्डों में जिले का मिसमैच ठीक करता था। इसके बाद इन्हीं कार्डों से अलग-अलग अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराकर अवैध कमाई की जाती थी। एडिशनल एसपी विशाल विक्रम सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर गैंग से जुड़े अन्य आरोपियों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म व अपहरण का आरोपी गुना से गिरफ्तार, जेल भेजा गया

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा / शिवपुरी, ब्यूरो। थाना बदरवास पुलिस ने नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपहरण एवं दुष्कर्म करने के गंभीर मामले में फरार आरोपी वीरू वंशकार को गुना से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल वारंट पर जेल दाखिल किया गया। पुलिस के अनुसार, दिनांक 30 जून 2025 को

नाबालिग बालिका के बिना बताए घर से चले जाने की रिपोर्ट पर थाना बदरवास में अपराध क्रमांक 307/2025 धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ ने नाबालिग अपहृताओं की शीघ्र दस्तयाबी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं अनुविभागीय अधिकारी कोलारस श्री संजय मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बदरवास निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने लगातार मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी साइबर सेल की सहायता से गुजरात के मोरबी से नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब किया। विवेचना के दौरान प्रकरण में धारा 64, 65(1), 87 बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं। पुलिस ने दिनांक 25 दिसंबर 2025 को आरोपी वीरू वंशकार पिता पप्पू वंशकार, उम्र 22 वर्ष, निवासी ग्राम खैराई, थाना राधौगढ़, जिला गुना को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी इसी नाबालिग के अपहरण एवं दुष्कर्म का मामला थाना बदरवास में अपराध क्रमांक 196/2023 धारा 363, 366-ए, 376 भादवि एवं 5, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत पंजीबद्ध है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे, उप निरीक्षक रंगलाल मेर, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार एवं आरक्षक दीनू रघुवंशी की विशेष भूमिका रही।

करेली में महिला की गोली मारकर हत्या, पारिवारिक विवाद में दामाद ने सिर में मारी गोली

पारिवारिक विवाद में दामाद ने सास की गोली मारकर हत्या कर दी। महिला के सिर में गोली मारी गई है। घटना के बाद आरोपी दामाद फरार हो

गया है। मौके पर पुलिस पहुंच गई है। परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। शहर के करेली इलाके में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने का आरोप उसके दामाद पर लगा है। आरोप है कि पारिवारिक विवाद के चलते दामाद ने घटना को अंजाम दिया है। शुक्रवार को विवाद के बाद वह सास को घसीटते हुए घर के बाहर सड़क पर ले आया और उसके सिर में गोली मार दी। घटना के बाद इलाके में खलबली मच गई। सूचना के बाद मौके पर पुलिस पहुंच गई है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया है। पुलिस परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है। घटना करेली में काली मंदिर के पास की बताई जा रही है। महिला का नाम आर्शिया खातून (55) है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ट्राला ट्रक हाईवे किनारे खड़े पानीपुरी ठेला समेत नहर में गिरा, छह के मरने की आशंका; दो के शव निकाले गए

भीषण सड़क हादसे में ट्रक चालक समेत छह लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। नहर में गिरे लोगों को निकालने के लिए पुलिस रेस्क्यू अभियान में जुट गई है।थाना चिरगांव और बड़ागांव सीमा पर एक ट्राला ट्रक हाईवे किनारे पानी के बतासा पी रहे तीन लोगों को ठेला समेत अपने साथ नहर में ले जाकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में चालक समेत छह लोगों की मरने की आशंका जताई जा रही है। नहर से दो लोगों के शव निकाल लिए गए हैं।स्थानीय लोगों के मुताबिक ट्रक कानपुर की ओर से झांसी की तरफ जा रहा था। ट्राला पर लोहे की चद्दर रखी थी। हाईवे पर पारीछा नहर के पास हाथ ठेला पर कुछ लोग पानी के बतासा पी रहे थे। इसी दौरान ट्रक ठेला समेत लोगों को अपने साथ लेकर नहर में जा गिरा। वहां पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस हाइड्रा मशीन की मदद से रेस्क्यू में जुटी हुई है। बताया जा रहा कि पास में खड़ी एक महिला यह खतरनाक मंजर देख कर बेहोश होकर जमीन पर गिर गई। जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

सिस्टम सुधार संगठन ने निकाला ट्रैक्टर मार्च, आगरा-बरहन मार्ग हुआ जाम; पुलिस ने संभाला मोर्चा

सिस्टम सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में ये ट्रैक्टर मार्च निकाला गया। इस दौरान पुलिस ने जब इस मार्च को रोकने का प्रयास किया, तो किसान भड़क गए और धरने पर बैठ गए। आगरा के एत्मादपुर में सिस्टम सुधार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अंशुमन ठाकुर के नेतृत्व में ट्रैक्टर किसान मार्च निकाला गया। इस मार्च में इतनी बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए कि आगरा-बरहन मार्ग जाम हो गया। बरहन रोड से तहसील मुख्यालय की ओर जैसे ही ट्रैक्टर किसान मार्च रवाना हुआ, तो पुलिस ने रास्ते में बुलडोजर लगा दिया। इसके साथ ही बैरिकेडिंग कर दी गई। इससे नाराज किसानों का आक्रोश भड़क उठा। वे बरहन रोड पर ही धरने पर बैठ गए। किसान संगठन क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर ट्रैक्टर मार्च निकालते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचना चाहते थे, लेकिन पुलिस की रोक-टोक के चलते स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सड़क जाम होने से आवागमन प्रभावित रहा। मौके पर पुलिस बल तैनात कर हालात को नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। बरहन रोड जाम की सूचना पर एसडीएम सुमित कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए।

16 वर्षीय लड़की का कमरे में फंदे से लटका मिला शव, घर में कोई नहीं था...दृश्य देख कांप गए पिता के पैर

मैनपुरी के करहल में 16 वर्षीय किशोरी का शव कमरे में फंदे से लटका मिला। घर पर जब पिता पहुंचे, तो बेटी की लाश को देख पैर कांप गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मैनपुरी के करहल थाना क्षेत्र के गांव भगवतीपुर में बृहस्पतिवार देर शाम एक किशोरी का शव घर के कमरे में फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजन खुदकुशी की वजह नहीं बता सके। मौत का कारण जानने के लिए शुक्रवार को पोस्टमार्टम कराया गया।गांव भगवतपुर निवासी प्रेमचंद्र की 16 वर्षीय पुत्री कंचन बृहस्पतिवार की देर शाम घर में अकेली थी, पिता जब काम से घर वापस लौटे, तो कोई नहीं दिखा। पुत्री के कमरे की ओर गए तो जंगले से अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। कंचन का शव कमरे में लगे पंखा के कुंडे में फंदे से लटका हुआ था। घर में अफरा तफरी मच गई। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए।सूचना पर थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए नमूने एकत्र किए। पूछताछ करने पर परिजनों ने खुदकुशी के पीछे कोई वजह नहीं बता सके। पुलिस ने मौत का कारण जानने के लिए शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। किशोरी की मौत के बाद घर में मातम छाया हुआ है।

धान खरीदी केंद्रों में मूलभूत सुविधा का अभाव शासन के दावों की खुली पोल नवगई और मोहरसोप समिति परिसर में पानी नहीं किसान मजदूर बेहाल

धान खरीदी केंद्रों में पानी का संकट, शासन के दावों पर सवाल

चांदनी बिहारपुर / सूरजपुर जिले के दुर पहाड़ी अंचल एवं सीमा क्षेत्र के चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र में स्थित धान खरीदी केंद्र नवगई एवं मोहरसोप इन दिनों अव्यवस्थाओं का शिकार बने हुए हैं। शासन द्वारा धान खरीदी को सुचारु एवं किसान-हितैषी बनाने के बड़े-बड़े दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही तस्वीर पेश कर रही है। इन दोनों समिति परिसरों में पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधा तक उपलब्ध नहीं है, जिससे दूर-दराज़ से आने वाले सैकड़ों किसान एवं मजदूर भारी परेशानियों का सामना करने को मजबूर हैं। प्रतिदिन सैकड़ों किसान अपने ट्रैक्टर, पिकप एवं गाड़ी व अन्य साधनों से धान लेकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं। धान तौल, पर्ची कटाने और बोरियों की लोडिंग-अनलोडिंग में अधीक किसान होने सुबह से शाम समय लग रहा है। इस दौरान पानी की व्यवस्था न होने

से किसान और मजदूरों को कई सौ मीटर दूर जाकर पानी लाना पड़ता है। इससे न केवल समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि कामकाज भी प्रभावित हो रहा है। किसानों का कहना है कि शासन-प्रशासन द्वारा पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा पेयजल, छांव, बैठने की व्यवस्था जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इसके बावजूद नवगई और मोहरसोप समिति परिसरों में पानी का संकट बना हुआ है, जो प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है।

मजदूर वर्ग की स्थिति और भी दयनीय है। लगातार शारीरिक श्रम करने के बावजूद उन्हें समय पर पानी न मिलने से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। कई मजदूरों ने बताया कि पानी के अभाव में उन्हें काम बीच में छोड़कर बाहर जाना पड़ता है, जिससे धान खरीदी की गति धीमी हो रही है।इस समस्या को लेकर किसान एवं मजदूरों ने तत्काल बोरिंग कराकर सोलर डबल पंप लगाने की मांग की है, ताकि खरीदी अवधि के दौरान स्थायी रूप से जलापूर्ति हो सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आंदोलन जैसी स्थिति भी बन सकती है।क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वह मौके का निरीक्षण कर तत्काल पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करे, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप धान खरीदी प्रक्रिया निर्बाध रूप से संचालित हो सके और किसानों को राहत मिल सके।

दूरस्थ क्षेत्र चांदनी बिहारपुर में मनाया गया पहली बार 18 दिसंबर गुरु घासीदास जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच/चांदनी बिहारपुर / कार्यक्रमद्य सतनामी समाज एवं सूर्यवंशी महासभा छत्तीसगढ़ राज्य ब्लॉक इकाई बिहारपुर के द्वारा कुबेरपुर अंबेडकर चौक मे गुरु घासीदास को मानने वाले लोगों के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें , मुख्य वक्ता श्री रविदास सूर्यवंशी जी (सूर्यवंशी महासभा प्रदेश प्रवक्ता) के द्वारा गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर अपने वक्तव्य में उन्होंने गुरु घासीदास जी के विचारों और उनके द्वारा शोषित दलित वर्ग पिछड़े वर्ग को ऊपर उठाने और सामाजिक स्तर को बेहतर बनाने बाबा के संदेश मनखे मनखे एक समान और बाबा के योगदान के बारे में विस्तृत रूप से जानकारियां दी

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री सचिन कुमार मिंज के द्वारा गुरु घासीदास जी के जीवनी, उनके सिद्धांत जिसमें सतनाम पर विश्वास बाह्य आडंबर, जाति प्रथा छुआछूत, जीव हत्या, नशा पान का सेवन न करना की शिक्षा दी साथ ही सत्य, करुणा और परोपकार के माध्यम से सामाजिक सुधार सामानता और मानवता पर जोर देने की बात कही द्य इन्हीं

विचारों को लेकर बाबा घासीदास जी ने छत्तीसगढ़ में सतनाम पंथ की स्थापना की द्य सतनाम पंथ में छुआ- छूत, जाति- प्रथा, भेदभाव रूढ़िवादी परंपरा आदि को स्वीकार नहीं किया जाता है

की जानकारी दीद्य सूर्यवंशी समाज के ऊपर उठने के लिए शिक्षा के महत्व को विशेष रूप से स्त्रियों को शिक्षित करने की बात कही द्य आज गुरु घासीदास जी को छत्तीसगढ़ में सम्मान देने के लिए छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा पुरातात्विक संग्रहालय गुरु घासीदास संग्रहालय रायपुर, राज्य के एकमात्र केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरु घासीदास केंदीय विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान सूरजपुर - कोरिया में स्थित है। इस कार्यक्रम में समाज के प्रमुख लोगों का विशेष योगदान रहा जिनके संघर्ष और मेहनत से सफल हुआ द्य जिन्होंने अपना अहम योगदान दिया श्री हरिशंकर डहरिया (महाविद्यालय क्लर्क) श्री मानिक चंद, श्री जितेंद्र साकेत , श्री राजेंद्र लहरी, श्री सूरजलाल (सरपंच)श्री राम लगन(उप सरपंच) श्री रुपेश, श्री दिनेश कुमार, श्री रामनिवास पटेल, श्री अखिलेश रवि, श्री अर्जुन प्रधान, ब्रिजेश यादव, हरि सागर सूर्यवंशी, सतीश चंद्रवंशी, संदीप साकेत, श्री गुलाबचंद, श्री प्रभु, ठाकुर प्रसाद, विजय कुमार, ललू चंद, जीवनचंद, धर्मेंद्र, कृष्ण जी, श्री रूपचंद जी, श्री रामसकल जी (वार्ड पंच) श्री रामसुभाग, महेंद्र , जितेंद्र साकेत, सुश्री विमला आगरे, संदीप कुशवाहा , मेवालाल , सुदर्शन, अक्षय ,गोलू, नीरज,कपिल, महेश ,राहुल ,सोनू, श्री जगदीश (पूर्व बी डी सी), अखिलेश , सुबे चंद्र ,बृजेश साकेत, राकेश, ललेश , श्रीमती संगीता, आस्था गिरी, रवीना साहू, रेखा विश्वकर्मा, अरुण, श्यामलाल , ललित, विद्याचरण, रामप्रसाद, शिवानंद, आशीष, चैन प्रताप, सरोज, देवप्रताप, पहलवान, मनीष, महेश साकेत, सूरज, कमलेश साकेत, बबन सूर्यवंशी, सत्यनारायण, गोपाल, पारस देवरिया, महेश साकेत, महेंद्र साकेत, श्री बीपी जयसवाल, श्री नवनीत जयसवाल, रामनिवास पटेल, अर्जुन प्रधान, आदि लोगों ने सक्रिय रूप से कार्य किए।

मेरठ में वीरू से शादी की जिद पर अड़ी %बसंती% टॉवर पर चढ़ी, बोली- कूद जाऊंगी-फांद जाऊंगी, प्रेमी को बुलाओ

दौराला के एक गांव की युवती शुक्रवार सुबह करीब छह बजे टॉवर पर चढ़ गई और जान देने की धमकी दी। प्रेमी के आने के बाद दोपहर करीब 12 बजे ही वह उतरी। दोनों के परिजन अलग बिरादरी होने के कारण शादी के लिए राजी नहीं हैं। साल 1975 में आई फिल्म शोले आज भी लोगों को पसंद है। बसंती से शादी करने के लिए टावर पर वीरू के चढ़ जाने का सीन लोगों को रोमांचित कर देता है। शुक्रवार की सुबह मवीमीरा गांव में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, लेकिन यहां मामला उल्टा था। बसंती बनी युवती प्रेमी से शादी की जिद लिए बिजली के टावर पर चढ़ गई। प्रेमी के मौके पर आने पर ही युवती नीचे उतरी। दौराला के एक गांव निवासी युवती की कुछ माह पहले लावड़ निवासी युवक से सोशल मीडिया पर दोस्ती हो गई। दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों लावड़ में एक दो बार कैफे में मिले भी। दोनों ने एक दूसरे से शादी करने की बात कही। मामले की जानकारी जब दोनों के परिजनों को लगी तो लड़के के पिता शादी को तैयार नहीं हुए। बिरादरी के कुछ लोगों के साथ 9 दिसंबर को दोनों पक्षों में वार्ता हुई और शादी नहीं करने पर सहमति बनी। बताया गया कि युवक के पिता ने युवती के परिजनों को 50 हजार रुपये भी दिए। शुक्रवार को युवती प्रेमी से ही शादी करने की जिद लिए सुबह छह बजे घने कोहरे में बिजली के टावर पर चढ़ गई।

10 बजे के बाद कोहरा हल्का हुआ तो ग्रामीणों की नजर टावर पर चढ़ी युवती पर पड़ी। ग्रामीणों ने युवती के परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों, पुलिस और ग्रामीणों ने युवती की काफी मान मनौव्वल की, लेकिन वह नीचे नहीं उतरी। प्रेमी के पिता भी मौके पर पहुंचे, लेकिन युवती ने नीचे उतरने से इंकार कर दिया। चेतावनी दी कि यदि जबरन उतारने का प्रयास किया तो वह कूद जाएगी या बिजली के करंट की रेंज में और ऊपर चढ़ जाएगी। इस कारण पुलिस व ग्रामीण टावर पर चढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा सके। घंटों बाद लगभग 12 बजे प्रेमी मौके पर पहुंचा, जिसके बाद युवती नीचे उतर आई। पुलिस दोनों को अपने साथ थाने ले गई। सीओ दौराला प्रकाश चंद्र अग्रवाल का कहना है कि दोनों को पुलिस काउंसिलिंग कर समझा रही है। युवती अपने प्रेमी से ही शादी करने की जिद पर अड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

मस्जिद से नहीं विदेशी आक्रांता से नफरत..., केशव मौर्य बोले- बाबर के नाम पर इमारत बर्दाश्त नहीं

श्रावस्ती पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि मस्जिद से नहीं विदेशी आक्रांताओं से नफरत है। बाबर के नाम पर कोई भी इमारत बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उप मुख्यमंत्री के शव प्रसाद मौर्य शुक्रवार को श्रावस्ती पहुंचे। यहां वीर बाल दिवस समेत कई कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके बाद कलेक्ट्रेट में प्रेसवार्ता कर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने बाबर के नाम पर बनने वाली मस्जिद पर एतराज जताया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमें मस्जिद से नहीं, बल्कि विदेशी आक्रमणकारी बाबर से नफरत है। बाबर के नाम पर किसी भी इमारत का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिले के विकास को लेकर किए गए सवाल पर कहा कि लोगों की समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रत्येक माह अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। इससे लोगों की समस्याओं के निस्तारण में आसानी होगी।उन्होंने रोडवेज बस के संचालन में आ रही समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया। भाजपा कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते हुए कहा कि अधिकारी कार्यकर्ताओं की ओर से बताई गई समस्याओं को प्राथमिकता से निस्तारित करें। प्रत्येक कार्यकर्ता डिप्टी सीएम है। अधिकारियों को व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निर्देश दिया। विपक्ष पर निशाना साधते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि सिख धर्म के साहबजादों ने धर्म के नाम पर कुर्बानी दे दी। लेकिन, यदि उस समय सपा व कांग्रेस होती तो कहती कि यह सब भाजपा व संघ का ही किया धरा है। इस मौके पर प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पांडेय व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मिश्रीलाल वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

बच्ची को निवाला बनाने वाला आदमखोर तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों की दहशत थोड़ी कम हुई

बहराइच में बालिका को निवाला बनाने वाला आदमखोर तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। इससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। उनके मन में व्याप्त दहशत कुछ कम हुई।यूपी के बहराइच में

सुजौली रेंज में बालिका का शिकार करने वाला आदमखोर तेंदुआ शुक्रवार को पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पिंजरे में कैद होने के बाद ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। उनके मन में व्याप्त दहशत कुछ कम हुई। अयोध्यापुरवा गांव में 17 दिसंबर की शाम तेंदुए ने घर के बाहर खेल रही सात वर्षीय आलमीन पर हमला करके उसे गन्ने के खेत में खींच ले गया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने काफी खोजबीन के बाद कुछ दूरी पर गन्ने के खेत से बालिका का शव क्षत-विक्षत मिला था। इस घटना से पूरे गांव के लोग दहशत में थे। ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया था। घटना के बाद वन विभाग ने शव बरामदगी वाले स्थान पर पिंजरा लगाया। सुजौली रेंज के वन क्षेत्राधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि वन दारोगा अनिल कुमार और वाचरों की टीम लगातार तेंदुए की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। कड़ी निगरानी और सतर्कता के बीच शुक्रवार भोर में तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। वन विभाग की टीम ने तेंदुए को सुरक्षित रूप से कतर्नियाघाट रेंज कार्यालय पहुंचाया। प्रभागीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट सूरज ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ मादा है। उसकी उम्र करीब तीन से चार वर्ष आंकी गई है। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों की जांच में तेंदुआ स्वस्थ मिला है। उच्चाधिकारियों के निर्देश के अनुरूप उसे जंगल में छोड़ने की कार्रवाई की जाएगी।

Dum Aloo is perfect for a dinner or lunch party. Try this easy recipe for a dhaba-like taste.

There's no need to describe how amazing Dum Aloo is. This delicious dish is perfect for lunch or dinner. If you want to make Dum Aloo at home, in true dhaba style, then this easy recipe (Dum Aaloo Recipe) is just for you. Let's festive season is upon us, and people often to prepare Indian food for your guests and option. Yes, Dum Aloo is a very delicious want to make tasty Dum Aloo at home, then this recipe, you can get Dum Aloo with true grams (boiled and peeled) Onions - 2 medium (well-whipped) Ginger-garlic paste - 1 3 cloves Ground spices - turmeric (1/2 powder (1 teaspoon), garam masala (1/2 oil Method: First, prick the boiled potatoes brown. Now, in the same pan, add some oil and cinnamon). Add the onion and fry until stir for a minute, then add the tomato puree. and coriander powder. As soon as the spices beaten yogurt, stirring constantly. This will fried potatoes and salt to the spices. Add a

learn how to make Dum Aloo in the dhaba style. The invite family and friends for dinner or lunch. If you want are looking for a special dish, Dum Aaloo is the perfect dish, with many spices used to enhance its flavor. If you let's learn its easy recipe (Dum Aaloo Special Recipe). With dhaba-like taste at home. Ingredients: Small potatoes - 500 (finely chopped) Tomatoes - 3 (puree) Yogurt - 1/2 cup tablespoon Whole spices - 1 bay leaf, 1 cinnamon stick, 2-teaspoon), red chili powder (1 teaspoon), coriander teaspoon) Salt to taste Coriander leaves, fenugreek leaves, with a fork. Heat oil in a pan and fry them until golden and add cumin seeds and whole spices (bay leaf, cloves, golden brown. After this, add the ginger-garlic paste and When the spices start to release oil, add turmeric, chili, start to release oil, reduce the heat to low and add the give the gravy a rich flavor and thickness. Now add the cup of water and cover. Let it cook on low heat for 10 minutes so that the spices absorb the potatoes. Finally, sprinkle some garam masala, some kasuri methi, and coriander leaves on top and serve hot. You can serve it with hot roti, paratha, or naan. Tip: If you want a richer gravy, you can add two teaspoons of cashew paste along with the yogurt.

Why is heart disease increasing rapidly among young people? A heart doctor explains three reasons behind it.

Did you know that there are three reasons behind the rapidly increasing heart disease among young people, which have become difficult to prevent these days? We spoke with a heart doctor about this, who explained these risk factors. Let's increasing rapidly among young people. Stress and corporate culture is also responsible for heart disease. The diseases has become a major cause of concern today, only in genetics or advancing age, but also in corporate lifestyle. These three (heart disease risk factors) combine heart disease. To learn more, we spoke with Dr. Binay Interventional Cardiology and Electrophysiology, pressures of corporate culture—long working hours, of work-life balance—have become a part of today's the body in "fight or flight" mode, leading to increased and poor sleep quality. To cope with stress, people often of which pose a direct threat to heart health. Pollution is a the air enter the bloodstream through breathing. These blood vessels, and accelerate cholesterol accumulation. For this regular exposure increases their risk of heart attack, age. Lifestyle changes: Both these challenges are at a desk for extended periods, lack of physical activity, rest, and a lack of stress management techniques all The deadly effect of all three: When these three factors strain. This crisis can be averted not only through medical

find out what these reasons are. Heart disease is pollution are major contributors to this. Changing rising incidence of heart attacks and other cardiac especially among young professionals. Its roots lie not stress, increasing pollution, and an uncontrolled to create a 'perfect storm' that is causing premature Kumar Pandey (Senior Consultant and HOD - Yatharth Super Speciality Hospital, Faridabad). The constant deadlines, the threat of job loss, and a lack professional's daily routine. This constant stress puts blood pressure, imbalances in hormones like cortisol, turn to smoking, excessive caffeine, or junk food, all silent killer—small particles like PM 2.5 present in particles cause inflammation in the arteries, damage people living in metropolitan and industrial areas, irregular heartbeat, and stroke, regardless of their compounded by our routine unhealthy habits. Sitting irregular and unhealthy eating habits, inadequate gradually weaken the heart muscle and blood vessels. work together, even a young heart cannot bear the interventions, but through a complete lifestyle change. The way to address this challenge lies in incorporating a healthy work environment, flexibility, strict pollution control measures, and healthy lifestyle habits into corporate culture.

The Taste of Tamil Nadu: Its food is a unique blend of flavor and simplicity. These 9 vegetarian dishes are a must-try.

Tamil Nadu is known for its culture as well as its delicious vegetarian cuisine. Beyond idli and dosa, there's a wide variety of food and drinks available, which are signature dishes. These dishes offer a unique try for tourists. Tamil Beyond idli and dosa, vegetarian dishes are located on the southern its rich culture and also renowned a unique blend of flavor Tamil Nadu, be sure to dishes. Idli, dosa, and with the idli. Soft, made from rice and urad chutney and sambar. also famous worldwide. Vada, made from urad and flavor. Sambar - Nadu. This sweet and vegetables, and sambar and dosa, but also with varies slightly in each is a dish known for its tamarind, tomatoes, and with rice. Pongal, made from rice and either savory or sweet served with ghee and Adai Kunji Paniyaram is

blend of flavor and simplicity, a must-Nadu's cuisine is incredibly delicious. there's plenty to eat here. Some of its exceptionally delicious. Tamil Nadu, tip of India, is not only renowned for temples, but its vegetarian cuisine is worldwide. Tamil Nadu's cuisine is and simplicity. So, if you're visiting sample these famous vegetarian vada—Tamil Nadu cuisine begins spongy, and easily digestible, idli is dal batter. It is served with coconut Similarly, crispy and thin dosas are Masala dosa is a unique delight. dal, is known for its crispy texture Sambar is a special dish of Tamil sour soup made from toor dal, powder is delicious not only with idli rice. The method and taste of sambar region. Rasam and Pongal - Rasam spicy and sour flavor. Prepared with black pepper, this dish is delicious commonly made during festivals, is mung dal. It can be prepared in versions. Vempongal is especially black pepper. Kunji Paniyaram and a traditional breakfast dish made from rice and urad dal batter. It is shaped into small rounds and served with chutney. Adai is a nutritious and delicious dosa-like pancake made from a variety of pulses. It is rich in protein and is often eaten with coconut chutney or jaggery. Curd Rice Curd rice is a great relief from the Tamil Nadu heat. Made by mixing curd with cooked rice, it is often served with pickle or fried chilies. It is not only delicious but also extremely beneficial for digestion.

How will "Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri" survive the storm of "Dhurandhar"? This is how much the opening day earnings will be.

This Christmas, Bollywood will release the film "Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri" in theaters. Meanwhile, we're sharing the movie's opening day box office collection prediction. "Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri" will release on Christmas Day. Kartik Aaryan and Ananya Panday's romantic movie could earn this many crores on its first day. Producer Karan Johar has high expectations for this film. This marks the first time actor Kartik Aaryan will be seen working in a Karan Johar film. Their pairing with B-town actress Ananya Panday is set to be a smash hit. Meanwhile, discussions have intensified regarding the film's box office collection. So, let's find out how many crores "Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri" could open its account on opening day, amidst the blockbuster success of Ranveer Singh's "Dhurandhar" (Dhurandhar). Collection Prediction for Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri - Kartik Aaryan and Ananya Panday's Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri will be released in theaters worldwide on December 25th, the special occasion of Christmas. The film is generating decent buzz, leading to expectations that it could have a good opening commercially. Considering the film's advance bookings, the festive Christmas season, and Kartik's previous film records, Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri could earn between ?8-10 crore (80-100 million) at the box office on its first day of release. In fact, within two days of advance booking, 63,136 tickets for Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri have been booked, bringing the film's advance earnings, including block seats, to ?37 million (37 million). Based on these figures, it's likely that Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri will have a strong opening at the box office. There will be a clash with this South Indian film - The box office collection of Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri may be affected by the South Indian film Vrishabha. Fans are eagerly awaiting the release of Vrishabha, starring superstar Mohanlal. Therefore, this Christmas, you may witness a fierce clash between Bollywood and South Indian films.

After the success of Saiyaara, a fan wrote a letter in blood to Ahaan Panday; his mother revealed the fans' reaction.

Ananya Panday's cousin, Ahaan Panday, made his Bollywood debut with the film "Saiyaara," which was a box office success. Following the film's success, Ahaan's mother, Diane Panday, revealed that a fan had sent him a letter written in blood, leaving the family in shock. Ananya Panday's cousin, Ahaan Panday, made his Bollywood debut this year with Mohit Suri's film "Saiyaara." The movie also starred newcomer Anit Padda in the lead role, and both became overnight stars. The film was a box office success, and the lead pair received widespread praise for their on-screen chemistry and powerful performances. Ahaan's mother revealed a secret: Since the release of "Saiyaara," Ahaan has become quite popular on social media, and fans are showering him with love. Many videos of Ahaan Pandey also go viral, often showing him stopping his car and posing for photos with fans. Now, Ahaan Pandey's mother, Diane Pandey, has made a shocking revelation. A letter written in blood: Diane Pandey revealed that a fan once sent her son a letter written in blood, leaving the entire family in shock. In an interview with TheNodMag, she said, "A few months ago, we received a letter written in blood. We replied, telling them not to do this. It's harmful. He would never want this to happen to him." Furthermore, Diane revealed that within a week of "Saiyaara"'s theatrical release, they began being spotted at various locations, surrounded by crowds. She said, "Paparazzi were present outside our house every day. We live a very normal life. My husband is a businessman and doesn't even attend events. Suddenly, everyone started looking at us." Diane revealed that Ahan didn't know Anit before Saiyyara. She also revealed that he had auditioned with a few other girls. He kept saying, "You have to work with this girl. She's a brilliant actress."

Once in a garage... once in a slum... lived as a spotboy, now a millionaire. Anil Kapoor's story is remarkable.

Actor Anil Kapoor belongs to the list of stars who have always made different kinds of films. Sometimes he played the angry man, sometimes he won hearts as a son, and sometimes he played powerful characters as a hero. Today, we will tell you how Anil Kapoor, who once lived in a slum, became a legendary Kapoor of cinema. Successful after struggles, Anil Kapoor lived in a garage, sometimes in a slum—now Anil Kapoor is a millionaire. Hindi cinema has many stars who have traveled a long journey, whose stories of struggle are heart-touching. One such actor won hearts with his rugged image on screen. This actor once lived in a slum, but today he is a millionaire. We are talking about Anil Kapoor. Let's explore the story of how Anil Kapoor became such a big star in the industry today... Anil Kapoor used to work in Raj Kapoor's garage. Anil Kapoor has been one of the industry's most successful actors. In the 90s, he starred in many major and blockbuster films. The list of Anil Kapoor's films is quite long. However, Anil Kapoor's fame didn't come easily. Anil Kapoor's father, Surinder Kapoor, may have been a part of the film industry, but that didn't mean Anil didn't struggle. When Anil Kapoor's family moved to Mumbai, their financial situation was dire. Prithviraj Kapoor came forward to help them, offering them a place to live in his garage. He also worked as a spot boy and sold movie tickets in black to support his family. Anil entered films at a young age. Anil Kapoor's family was struggling financially. After this, he decided to work in films. He finally entered the film world at the age of 12. He made his debut in the 1979 film Hamare Tumhare. He then made his acting debut in the 1980 Telugu film "Vamsa Vriksham." He subsequently appeared as a supporting actor in several films, including "Ek Baar Kaho," "Shakti," and "Hum Paanch." His Bollywood debut came in 1983 with the film "Woh Saat Din," in which he appeared alongside Padmini Kolhapure. However, he gained real recognition with the 1986 film "Chameli Ki Shaadi," in which he also sang the title song. Anil Kapoor emerged as a blockbuster hero. After entering Bollywood, he never looked back and continued to rise. The doors of Bollywood were open for Anil Kapoor. He subsequently appeared in major films. In 1987, he appeared in "Mr. India," a film that brought a tsunami to Bollywood. This film proved lucky for Anil Kapoor. He subsequently starred in several films, including Woh Lamhe, Tezaab, Meri Jung, Beta, and 1942: A Love Story. He also worked on television, participating in the highly acclaimed TV series 24. He also hosted Bigg Boss OTT 3. Regarding Anil Kapoor's personal life, he is married to Sunita Kapoor. They have three children: Sonam Kapoor, Rhea Kapoor, and Harshvardhan Kapoor. Sonam is a well-known actress, while Rhea is a fashion stylist and producer. Harshvardhan is also pursuing his career in films. Anil Kapoor, who once lived in a chawl, is now a multi-millionaire. He owns large cars and a large house. He is also unmatched in terms of fitness.